Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर , वर्ष 19,अंक -27 रविवार ,27 नवम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

सिर देने में जो लोग नहीं डरते,वे ही लोग प्रभंजनों पर शासन करते हैं।

- दिनकर-

संक्षिप्त खबरें

सीएम भूपेश बघेल ने मल्लिकार्जुन खड़गे से की मुलाकात

नई दिल्ली,26 नवम्बर 2022(ए)। सीएम भूपेश बघेल इन दिनों दिल्ली के दौरे पर है। इस दौरान भूपेश बघेल ने कांग्रेस के राष्ट्रिय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात कर प्रदेश में चल रहे विकास कार्यो के बारे में जानकारी दी। साथ ही राज्य सरकार की उपलब्धियों से अवगत करवाया। मुख्यमंत्री ने इसकी जानकारी ट्वीटर पर दी। कहा आज नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ में चल रहे विकासात्मक कार्यों की जानकारी दी।

कांग्रेस नेता आसिफ खान गिरफ्तार

नई दिल्ली,26 नवम्बर 2022(ए)। पुलिस ने पूर्व विधायक और कोंग्रस नेता आसिफ मोहम्मद खान को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें आसिफ मोहम्मद दिल्ली पुलिस के एसआई समेत दो कर्मियों से अभद्रता और उन्हें धमकी देते नजर आये थे। वीडियो को देखने के बाद दिल्ली पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आसिफ मोहम्मद खान को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार पुलिस कर्मियों से बदसलूकी मामले में दो और लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर हिरासत में लिया गया है। वहीं पुलिस अधिकारियों से दुर्व्यवहार करने वाले अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है। बीजेपी नेता तेजिंदर बग्गा ने वीडियो को अपने ट्विटर हैंडल में शेयर किया है।

अभिनेत्री ऋचा चड्डा के खिलाफ हो एफआईआर दर्ज

भोपाल ,26 नवम्बर 2022(ए)। सेना के खिलाफ दिए गए बयान के मामले में अभिनेत्री ऋचा चड्ढा की परेशानी कम होती नहीं दिख रही है। मध्य प्रदेश गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अभिनेत्री ऋचा चड्ढा के खिलाफ जो शिकायत मिली है उसकी जांच करने के बाद प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।मध्ं य प्रदेश के गृह मंत्री मिश्रा का कहना है कि अभिनेत्री ऋचा चड्ढा के सेना को लेकर दिए गए बयान से देश के राष्ट्र भक्तों को ठेस पहुंची है। मैं बताना चाहूंगा ऋचा जी, वो सेना है, सिनेमा नहीं। कभी माइनस 30 डिग्री और कभी 45 डिग्री में रहने की कोशिश करें, कभी हीट स्ट्रोक के बीच 45 डिग्री तापमान में काम करें, तो आप सेना के श्रम और बलिदान को समझ पाएंगे।

एक दिसंबर से बदल जाएंगे ये पांच नियम

13 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली,26 नवम्बर 2022 (ए)। दिसंबर से आपकी रोजाना की लाइफ से जुड़े कई नियम बदल जाएंगे। हर महीने की पहली तारीख को रसोई गैस सिलेंडर, सीएनजी, पीएनजी के दाम तय किये जाते हैं। 30 नवंबर तक पेंशन लेने वाले पेंशनर्स को अपना लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना है। 30 नवंबर तक लाइफ सर्टिफिकेट नहीं जमा करने पर आपको पेंशन मिलने में परेशानी हो सकती है। साथ ही दिसंबर में 13 दिन बैंक बंद रहने वाले हैं।

एलपीजी-सीएनजी व पीएनजी की कीमतों में भी हो सकता है बदलाव पिछले महीने की शुरुआत में कमर्शियल सिलेंडरों की कीमतें घटी थी, पर घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया था। ऐसे में, उम्मीद है कि रसोई गैस के सिलेंडर इस बार एक दिसंबर से सस्ते हो सकते हैं। अक्टूबर महीने के आंकड़ों में खुदरा महंगाई दर में नरमी के संकेत मिले हैं। इसके बाद इस बात की उम्मीद जताई जा रही है कि इस महीने के अंत में पेट्रोलियम कंपनियां रसोई गैस की कीमतों में भी बदलाव की घोषणा कर सकती हैं। हालांकि ऐसा होगा या नहीं यह एक दिसंबर की सुबह तक ही साफ हो पाएगा। इसके अलावा सीएनजी व पीएनजी की कीमतों में भी बदलाव की घोषणा हो सकती है।

पेंशनर्स नहीं जमा कर पाएंगे लाइफ सर्टिफिकेट

पेंशनर्स के लिए जीवन प्रमाण-पत्र यानी लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने की आखिरी तारीख 30 नवंबर 2022 है। ऐसे में अगर इस महीने के अंत तक उन्होंने अपना जीवन प्रमाण-पत्र जमा नहीं किया तो एक दिसंबर से ऐसा करने में उन्हें असुविधा हो सकती है। अगर समय पर लाइफ सर्टिफिकेट जमा नहीं किया गया तो उनकी पेंशन रुक भी सकती है।

एटीएम से नकद निकालने का तरीका बदलेगा

दिसंबर महीने से एटीएम से पैसे निकालने का तरीका भी बदल सकता है। वर्तमान में हम जिस तरीका का इस्तेमाल कर एटीएम से नकद निकालते हैं, उसमें कई बार फर्जीवाडा होने की आशंका बनी रहती है। जानकारी के अनुसार पंजाब नेशनल बैंक दिसंबर महीने में एटीएम से कैश निकालने की प्रक्रिया में बदलाव कर सकत सकते हैं। बताया गया है कि एक दिसंबर के बाद से एटीएम में कार्ड लगाते ही आपके मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी जेनरेट होगा। इस ओटीपी की एटीएम स्क्रीन पर दिए गए कॉलम में प्रविष्टि करने के बाद ही नकद बाहर निकलेगा।

.बैंकों में 13 दिन नहीं होगा कामकाज

दिसंबर महीने में कुल 13 दिन बैंक बंद रहेंगे। इन छुट्टियों में दूसरे और चौथे शनिवार और रविवार की छुट्टियां शामिल हैं। इस महीने में क्रिसमस, वर्ष का आखिरी दिन (31 दिसंबर) और गुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती भी है। इन अवसरों पर भी बैंकों में छुट्टी रहेगी। स्थानीय पर्व-त्योहारों के आधार पर भी कई राज्यों में छुट्टियां हैं। छुट्टी के दिनों में बैंकों में कामकाज बंद रहेगा। हालांकि, इस दौरान ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए ग्राहक अपना काम निपटा सकेंगे।

ट्रेनों की समय-सारणी बदलेगी

दिसंबर महीने में देश के अधिकतर हिस्सों में सर्दियां बढ़ने लगती है। सर्दियों के साथ कोहरा बढ़ने लगता है। इससे ट्रेनों के आवागमन में परेशानी होने लगती है। नतीजतन, रेलवे को कई ट्रेनों को कैंसिल करने का फैसला करना पड़ता है। कुहासे को देखते हुए रेलवे अपनी समय सारणी में भी बदलाव करती है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि इस बार भी रेलवे दिसंबर महीने में रेलवे की समय सारणी संशोधित करेगी और नई समय-सारणी के अनुसार ट्रेनों का संचालन किया जाएगा।

बीजेपी ने गुजरात चुनाव के लिए जारी किया घोषणापत्र

5 साल में 20 लाख नौकरियां देने का वादा

गांधीनगर,26 नवम्बर 2022(ए)। गुजरात में विधानसभा चुनाव 2022 की तैयारियां जोरो पर है। गुजरात की 182 सीटों के लिए दो चरणों में 1 और 5 दिसंबर को वोट डाले जाएंगे। वोटों की गिनती 8 दिसंबर को होगी। इसी कड़ी में भाजपा ने गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए गांधी नगर में शनिवार को घोषणा पत्र जारी कर दिया है । इसमें 5 सालों में 20 लाख नौकरियां देने की बात कही गई। इसके अलावा, छात्राओं को मुफ्त में इलेक्ट्रिक स्कूटी देने का वादा भी किया गया है। इस दौरान सभा में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गुजरात भाजपा के अध्यक्ष सीआर पाटिल समेत बीजेपी के तमाम नेता मौजूद रहे। गुजरात चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संकल्प पत्र जारी कर दिया है। इसमें गुजरात के युवाओं के लिए रोजगार से लेकर शिक्षा, किसानों, महिलाओं और स्कूली बच्चों तक के लिए वादे किए गए हैं।

भाजपा के वादों की लिस्ट

-10 हजार करोड़ रुपये किसानों के मार्केटिंग के लिए खर्च करेंगे।
-25 हजार करोड़ रुपये खर्च करके सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करेंगे।
-500 करोड़ रुयये खर्च करके गौशालाओं को मतबूत बनाएंगे।
-एक हजार अतिरिक्त मोबाइल पशु चिकित्सालय की शुरुआत करेंगे।
-साउथ गुजरात और सौराष्ट्र में दो सी फूड पार्क तैयार करेंगे।
-युवाओं के लिए 20 लाख रोजगार विकसित किए जाएंगे।
-स्कूल ऑफ एक्सीलेंस तैयार करने के लिए 10 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।
-देश का पहला ब्लू इकनॉमी इंडस्ट्रियल कॉरिडोर तैयार होगा।
-मछली पकड़ने से संबंधित बुनियादी ढांचे भी मजबूत किए जाएंगे।
-पूरे गुजरात को 04 और 06 लेन सड़क से जोड़ेंगे। फ्लाईओर बनाए जाएंगे।
-गुजरात ओलंपिक मिशन के तहत वर्ल्ड क्लास स्पोर्ट्स फैसेलिटी सेंटर बनाए जाएंगे।
-छात्राओं को इलेक्ट्रिक स्कूटी देने का वादा किया गया है।
-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत हर परिवार को मुफ्त इलाज के लिए मिलने वाली रकम को पांच लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया जाएगा।
-अगले पांच साल में गुजरात की एक लाख महिलाओं को रोजगार दिया जाएगा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री हंसराज गंगाराम अहीर बनाए गए राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष

नई दिल्ली,26 नवम्बर 2022(ए)। राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग के नए अध्यक्ष का एलान कर दिया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री हंसराज गंगाराम अहीर को पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनकी नियुक्ति पर मुहर लगा दी है।

कोल आबंटन घोटाले को किया था उजागर

हंसराज गंगाराम महाराष्ट्र के चंद्रपुर से 4 बार बीजेपी से सांसद रहे हैं। महाराष्ट्र की राजनीति में हंसराज गंगाराम अहीर एक बड़ा नाम हैं। वे अपने प्रशंसकों के बीच हंसराज भैया के नाम से जाने जाते हैं। वह केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री रहे। उन्हें देश के चर्चित कोल ब्लॉक आवंटन घोटाला को सामने लाने के लिए जाना जाता है।

अहीर ने ट्वीट कर जताया आभार

राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग का अध्यक्ष पद मिलने के बाद गंगाराम अहीर ने ट्वीट कर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने लिखा, 'राष्ट्रीय ओबीसी आयोग के अध्यक्ष का पद देने के लिए भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का हार्दिक धन्यवाद। नवीन दायित्व के जरिए पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए भरसक प्रयास कर पद के साथ न्याय करेंगे।'

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान धक्का-मुक्की,जमीन पर गिरे दिग्विजय सिंह

नई दिल्ली,26 नवम्बर 2022(ए)। कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी इन दिनों कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो यात्रा पर हैं। मध्य प्रदेश में पदयात्रा का आज चौथा दिन है। इसके बाद राहुल अपनी टीम के साथ राजस्थान में प्रवेश करेंगे, जहां अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच सियासी लड़ाई खुलकर सामने आ चुकी है।

राहुल गांधी की यात्रा आज जब ओमकारेश्वर से इंदौर की तरफ बढ़ रही थी तो टी ब्रेक के दौरान धक्का-मुक्की की नौबत आ गई। इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह गिर गए। वहां मौजूद समर्थकों और सुरक्षा बलों ने उन्हें सहारा दिया। इसके बाद दिग्विजय उठकर खड़े हुए। साथ भी कदम से कदम मिलाकर चलते हुए नजर आए। आपको बता दें कि बड़वाह से करीब 4 किमी की दूरी पर राहुल गांधी अचानक चोर बावड़ी के पास एक होटल में चाय के लिए रुक गए। उस समय वहां भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई थी। इस कारण दिग्विजय सिंह जमीन पर गिर पड़े। कुछ कार्यकर्ता भी उनके ऊपर गिर पड़े। दिग्विजय सिंह ने इस पूरे प्रकरण को लेकर नाराजगी भी जताई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दिग्विजय सिंह को इस हादसे में गंभीर चोटें नहीं पहुंची हैं। वह स्वस्थ नजर आ रहे हैं और यात्रा के साथ आगे बढ़ रहे हैं। दिग्विजय आज राहुल गांधी के

राहुल गांधी की यह यात्रा आज खरगोन जिले के मनिहार, बलवाड़ा होते हुए महू पहुंचेगी। राहुल यहां डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के स्मारक पर जाकर भारतीय संविधान के निर्माता को श्रद्धांजलि देंगे। इसके बाद वह एक सभा को भी संबोधित करेंगे। इस मौके पर उनके साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह समेत देश और प्रदेश के करीब 40 नेता मौजूद रहेंगे। आपको बता दें कि उनकी यात्रा में आज उनकी बहन प्रियंका गांधी नहीं दिखीं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक वह दिल्ली वापस लौट चुकी हैं।

इसरो ने एक साथ लॉन्च किए 9 सैटेलाइट

भूटान के लिए भी अंतरिक्ष में गया खास सैटेलाइट

श्रीहरिकोटा ,26 नवम्बर 2022(ए)। भारत के ताकतवर प्रक्षेपण वाहन पीएसएलवी-सी54 ने शनिवार को 1,117 किलोग्राम वजनी पृथ्वी की निगरानी करने वाले उपग्रह (अर्थ आब्जर्वेशन सटेलाइट) ईओएस -06 को उसकी वांछित कक्षा सफलतापूर्वक प्रक्षेपित कर दिया।

इससे पूर्व पीएसएलवी एक्सएल संस्करण के इस 44 मीटर अम्बे अंतरिक्ष वाहन ने 24 घंटे की उलटी गिनती सफलतापूर्वक पूरी और उसके बाद प्रथम लॉन्च पैड से शानदार ढंग से 1156 बजे पर अपनी 56वीं उड़ान भरी,इससे आसमान में नारंगी धुआं भर गया और इसकी गर्जना ने पृथ्वी को हिला दिया।यह अपने साथ इओएस 06 के अलावा आठ नैनो उपग्रह लेकर गया है।

यह पूरा मिशन लगभग 8,200 सेकेंड (2 घंटे और 20 मीनट) तक चलेगा,इस दौरान प्राथमिक उपग्रह और नैनो उपग्रहों को दो अलग-अलग सन सिंक्रोनस पोलर ऑर्बिट्स (एसएसपीओ) में प्रक्षेपित किया जायेगा। नैनो-उपग्रहों में चार एस्ट्रोकास्ट-2 उपग्रह हैं ये अमेरिका के है और इनका वजन 17.92 किलोग्राम है, दो थाइबोल्ट उपग्रह ङ्क थाइबोल्ट-1और थाइबोल्ट-2ङ्कध्रुव अंतरिक्ष (1.45 किग्रा), आईएनएस-2 भूटानसैट (18.28 किग्रा) और आनंद पिक्सेल (16.51 किग्रा) के है। एस्ट्रोकास्ट इंटरनेट के लिए एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शक उपग्रह है। उड़ान भरने के लगभग 20 मिनट बाद ,ईओएस -06 को भूमध्य रेखा की ओर 98.34 डिग्री के झुकाव के साथ 742 किमी की ऊंचाई पर प्रक्षेपित किया गया। पीएसएलवी श्रंखला का यह 44 मीटर यान अपने साथ 321 टन का भार लेकर गया है। इंजन को दो बार स्विच ऑफ करने और चौथे चरण को फिर से शुरू करने के बाद वाहन के लिए निचली कक्षा में लाया जाएगा और आठ नैनो उपग्रहों को प्रक्षेपित किया जायेगा।

आतंकी हमले 26/11 के हुए 14 साल

मुंबई ,26 नवम्बर 2022(ए)। 26 नवंबर 2008 को समुद्र के रास्ते एक नाव में सवार होकर जैश-ए-मोहम्मद के 10 आतंकी मुंबई पहुंचे और अपने साथ लाये बम और गोलियों से मुंबई को दहला दिया। आतंकियों के इस खौफनाक हमले में 160 से ज्यादा लोग मारे गये वहीं, 3 सौ से ज्यादा लोग घायल हो गये । 26/11 हमले में शामिल आतंकियों को भी जवानों ने ढेर कर दिया । और जो जिंदा पकड़ लिये गये उन्हें कानूनी कार्रवाई के बाद फांसी की सजा सुनाई गयी. लेकिन ऐसा नहीं हुआ कि इसके बाद देश में पाकिस्तान प्रायोजित हमले बंद हो गये. 26/11 हमले के बाद भी देश के आतंकियों के कई हमले हुए जिसमें आम आदमी के साथ-साथ सेना के जवान भी शहीद हुए।

26/11 के बाद देश में हुए बड़े आतंकी हमले

पंपोर में आतंकियों का हमला- जम्मू कश्मीर के पंपोर शहर में श्रीनगर जम्मू हाईवे पर आतंकवादियों ने घात लगाकर सीआरपीएफ के काफिले पर हमला किया । इस हमले में सीआरपीएफ के 8 जवान शहीद हो गये थे. वहीं, हमले में 22 जवान घायल हो गये थे । यह हमला आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने किया था. हालांकि बाद में सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई में दो आतंकियों को मार गिराया था।

18 सितंबर 2016 में आतंकियों ने एक बार फिर अपने नापाक मंसूबों को अंजाम देते हुए सो रहे सेना के जवानों पर हमला कर दिया । भारी हथियारों से लैस आतंकियों ने पीओके से सटी उरी में सेना के 12 इन्फैंट्री ब्रिगेड मुख्यालय पर हमला कर दिया । आतंकियों ने सो रही सेना पर गोलीबारी कर दिया । इस हमले में देश के 19 वीर सपूत शहीद हो गये थे । हालांकि, इस हमले के दस दिनों बाद भारतीय सेना के जवानों ने एलओसी क्रॉस कर पाकिस्तान के आतंकी कैंप पर सर्जिकल स्ट्राइक कर दिया था।

7 दिसंबर को दिल्ली जीतेंगे और 8 को गुजरातःसीएम केजरीवाल

नई दिल्ली,26 नवम्बर 2022(ए)। गुजरात विधानसभा सहित दिल्ली में होने वाले नगर निगम चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने पूरी तरह कमर कस ली है। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविन्द केजरीवाल ने दावा किया है कि दोनों चुनाव को आम आदमी पार्टी भारी बहुमत से जीतेगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एमसीडी का चुनाव बड़ा साफ होता जा रहा है। भाजपा के 10 वीडियो बनाम केजरीवाल के 10 काम। जनता को तय करना है कि उनको भाजपा के 10 वीडियो चाहिए या केजरीवाल के 10 काम चाहिए। 4 तारीख को चुनाव हैं। दिल्ली की जनता इन सब वीडियो के जवाब दे देगी।

इस देश में किस तरह की नौटंकी चल रही है पता नहीं। रोज सुबह एक नया वीडियो सामने आ जाता है। दिल्ली में आप को 230 से ज्यादा सीटें आएंगी और बीजेपी की 20 से कम आएंगी। इनको अपने बड़े बड़े मंत्रियों को बुलाना पड़ रहा है।

केजरीवाल ने कहा कि सीबीआई द्वारा शराब नीति पर दाखिल चार्जशीट पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सीबीआई ने मनीष सिसोदिया को क्लीन चिट दे दी है। कल की चार्जशीट से यह साबित हो गया है कि इनको मनीष सिसोदिया के ख़िलाफ़ रत्ती भर भी सबूत नहीं मिला है। केजरीवाल ने कहा कि सीबीआई-ईडी के करीब 800 अधिकारी पिछले 4 महीने से इस पर काम कर रहे थे। उन्हें सिर्फ एक काम दिया गया था- कुछ भी करो, मनीष सिसोदिया को सलाखों के पीछे डाल दो। आज की चार्जशीट से पता चलता है कि उन्हें उसके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला। उन्होंने कहा है कि अगर एक दिन के लिए सीबीआई और ईडी को उन्हें सौंप दिया जाए तो बीजेपी के आधे से ज्यादा नेता जेल में होंगे

मिड डे मील खाने से 25 बच्चे पड़े बीमार

हैदराबाद ,26 नवम्बर 2022(ए)। मिड डे मील का खाना खाने के बाद 25 बच्चों के बीमार होने की घटना सामने आई है। यह मामला आंध्र प्रदेश का है जहां के श्री सत्य साईं जिले के एक सरकारी स्कूल में मिड डे मील का खाना खाने के बाद 25 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। बता दें कि इससे पहले 25 नवंबर को पटना के सुपौल जिले में एक प्राथमिक विद्यालय चकडुमरिया में मिड डे मील के चावल में छिपकली मिलने का मामला सामने आने से खलबली मच गई थी। खाने में छिपकली के मिलने से बच्चों के अभिभावकों ने स्कूल परिसर में जमकर हंगामा किया था।ज्यादा से ज्यादा संख्या में बच्चे स्कूल पहुंचे इसलिए सरकार ने मिड डे मील योजना की शुरूआत 15 अगस्त, 1995 को की थी। जब ये स्कीम सफल होने लगी तो इसे वर्ष 2004 में पूरे देश के सरकारी स्कूलों में लागू कर दिया गया था। इस समय ये स्कीम पूरे देश के सरकारी स्कूलों में चलाई जा रही है।

संपादकीय

सीआईआई की चिंताएं

सीआईआई चाहती है कि आय कर में छूट देकर और ग्रामीण इलाकों में सरकारी योजनाओं के जरिए लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाई जाए। अनेक अर्थशास्त्री यह सुझाव पहले से दे रहे हैं। लेकिन सरकार ने उन 'हार्वर्ड' शिक्षित अर्थशास्त्रियों की बात नहीं सुनी। कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज (सीआईआई) ने अगले साल के बजट के लिए सरकार को जो कदम उठाने के सुझाव दिए हैं, सामान्य दिनों में इस संगठन से जुड़े उद्योगपति उन्हें 'समाजवाद' कहते। लेकिन मोनोपॉली के स्तर पर पहुंची मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था की नीतियों ने इन उद्योगपतियों का बाजार इस तरह सिकोड़ दिया है कि उन्हें अब अर्थशास्त्री जॉन मेनार्ड कीन्स के फॉर्मूले में ही रास्ता नजर आ रहा है। ये बात ध्यान में रखने की है कि सीआईआई परंपरागत उद्योगपतियों की संस्था है- यानी उद्योगपतियों की जिनका कारोबार कारखाना उत्पादन और उनकी बिक्री पर निर्भर करता है। अब ये संस्था क्या सुझाव दे रही है, इस पर गौर कीजिए। इसने कॉरपोरेट टैक्स में कटौती की मांग नहीं की है। बल्कि कहा है कि इसे मौजूदा स्तर पर ही बनाए रखा जाए। इसके बदले उसने निजी आय कर में छूट देने और जीएसटी की 28 प्रतिशत दर के तहत आने वाली वस्तुओं पर यह कर घटाने का सुझाव दिया है। साथ ही ग्रामीण इलाकों में रोजगार पैदा करने वाली योजनाएं लागू करने की मांग उसने सरकार से की है।

साफ कहा है कि इस समय उपभोग और मांग बढ़ाने वाली नीतियों की जरूरत है। सरकार इन सुझावों को सुनेगी या नहीं, यह हमें नहीं मालूम। लेकिन सीआईआई ने जो कहा है, उससे देश की असल अर्थव्यवस्था का हाल जरूर जाहिर हुआ है। यही हाल तेल साबुन जैसी रोजमर्रा की जरूरत की चीजें बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों की हालिया तमाम रिपोर्टों से भी सामने आया है। सरकार की आम जेब से निकाल कर कॉरपोरेट सेक्टर को पैसा ट्रांसफर करने वाली नीतियों ने जमीन पर बाजार को सिकोड़ दिया है। कोरोना महामारी और उसके बाद तेजी से बढ़ी महंगाई ने मध्य वर्ग के पास भी अतिरिक्त उपभोग की गुंजाइश नहीं छोड़ी है। तो सीआईआई चाहती है कि आय कर छूट देकर उसकी जेब अधिक पैसा छोड़ा जाए और ग्रामीण इलाकों में सरकारी योजनाओं से लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाई जाए। अनेक अर्थशास्त्री यह सुझाव पहले से दे रहे हैं। लेकिन 'हार्ड वर्क' वाली सरकार ने उन 'हार्वर्ड' शिक्षित अर्थशास्त्रियों की बात नहीं सुनीं। तो पानी अब सिर से ऊपर से गुजरने लगा है।

पाकिस्तानःसेना के लिए वेक-अप कॉल

इस साल अप्रैल में इमरान खान को प्रधानमंत्री पद से हटाने के बाद देश की सर्वशक्तिशाली सेना के खिलाफ अभूतपूर्व प्रतिक्रिया हुई है।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान द्वारा सीधे तौर पर अपने पर हमला करने का आरोप लगाने के बाद लोग अब सड़कों पर सेना विरोधी भावनाओं को खुलकर व्यक्त कर रहे हैं। पाकिस्तान भर में आयोजित रैलियों में प्रदर्शनकारियों ने खान के समर्थन में और सेना के खिलाफ नारे लगाए हैं। रैली में खान पर हत्या के असफल प्रयास के बाद। पेशावर में कॉर्प्स कमांडर के घर के सामने सैकड़ों प्रदर्शनकारी जमा हुए और सेना विरोधी नारे लगाए। इससे पहले पाकिस्तान में यह अकल्पनीय था।

वर्तमान में पाकिस्तानी समाज में सेना विरोधी भावना तेजी से फैल रही है। सोशल मीडिया पर लोग सेना के खिलाफ अपनी राय रखते रहते हैं। सोशल मीडिया खातों को निलंबित किए जाने या गिरफ्तार किए जाने की धमकी के बावजूद। सेना के लिए यह चिंताजनक स्थिति है क्योंकि पाकिस्तान सैन्य राज्य है, और सेना ने अपने अधिकांश अस्तित्व के दौरान शासक की भूमिका निभाई है। यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि 1947 में पाकिस्तान की स्थापना के बाद से किसी भी प्रधानमंत्री ने पूरे पांच साल का संसदीय कार्यकाल पूरा नहीं किया है, और जनरलों ने कई मौकों पर देश पर सीधे शासन किया है। खान का मुख्य समर्थन आधार पाकिस्तान के शहरी मध्य वर्ग से आता है।

पाकिस्तानी सेना खुद को पाकिस्तान के एकमात्र गैर-सामंती, गैर-वंशवादी और शिक्षित-मध्यवर्गीय संगठन के रूप में देखती है, और समाज के इस वर्ग में सेना हमेशा लोकप्रिय रही है। आश्चर्य की बात नहीं है कि खान को अब सेना के बड़े हिस्से में लोकप्रिय माना जाता है। यह कहना गलत या अतिश्योक्ति नहीं होगी कि पीटीआई प्रमुख पाकिस्तान के इतिहास में पहले राजनेता हैं, जिन्हें सेना के नेतृत्व से लड़ते हुए सेना के भीतर से भी काफी अच्छा समर्थन प्राप्त है। अब तक इमरान की सबसे बड़ी राजनीतिक उपलब्धि यह है कि वह जनता के बीच सेना के शीर्ष नेतृत्व को सत्ता के भूखे जनरलों के रूप में प्रदर्शित करने में सक्षम रहे हैं। पाकिस्तान सेना के मुख्यालय रावलपिंडी ने हमेशा इस कथन को आगे बढ़ाया है कि अधिकांश राजनीतिक नेता भ्रष्ट हैं, और देश के सामने आने वाली सभी कठिनाइयों के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार हैं, और सेना ही एकमात्र संस्था है, जो व्यवस्था ला सकती है, और स्थिरता व सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है।

लेकिन असल बात यह है कि लंबे सैन्य शासन ने पाकिस्तान की राजनीति, अर्थव्यवस्था और विदेश नीति पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव छोड़े हैं। पाकिस्तान में लंबे सैन्य शासन का सबसे स्थायी प्रभाव इसका घटता हुआ राज्य संविधान है। इतने आवेशित वातावरण के साथ और इतने सारे प्रचलित विरोधी भावनाओं के साथ। यह केवल समय की बात है जब आम पाकिस्तानी सेना में विश्वास खो देंगे और इसे सिर्फ एक अन्य राजनीतिक संगठन के रूप में मानेंगे। सेना ने कई बार कहा है कि वह तटस्थ है, और अराजनैतिक होना चाहती है। लेकिन पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार एक राजनीतिक प्रेस कॉन्फ्रेंस को इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम और इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल बाबर इफ्तिखार ने संबोधित किया। और फिर से दोहराया गया कि सेना अराजनीतिक रहेगी। लेकिन इस दावे के विपरीत तथ्य यह है कि सैन्य प्रतिष्ठान देश की सबसे शक्तिशाली राजनीतिक शक्ति है।

सत्ता की राजनीति से पीछे हटना सामरिक प्रतीत होता है, और पूर्ण त्याग का संकेत नहीं देता। यह सिर्फ रणनीति बदलने की बात है। देश में चल रहे राजनीतिक टकराव और बढ़ते ध्रुवीकरण के साथ शक्ति का संतुलन अभी भी सेना के पास बना हुआ है। इतिहास के पन्नों में जनरल कमर जावेद बाजवा को अलग तरह से आंका जाएगा। शायद अधिक आलोचनात्मक रूप से। जैसा कि उन्होंने सरल मार्शल लॉ का चयन करने की बजाय एक सरकार को हटाने के लिए इंजीनियरिंग द्वारा लोकतांत्रिक व्यवस्था के साथ छेड़छाड़ की, और बाद में, एक प्रॉक्सी को आगे बढ़ाया जो अब सैन्य बूटों की सीमाओं से बाहर निकल गया है।

अतीत में सेना लोकतंत्र के साथ किए गए किसी भी प्रयोग के दोष से बच गई जैसे-प्रत्यक्ष माशर्ल लॉ, फील्ड माशर्ल अयूब खान की निर्देशित लोकतंत्र अवधारणा और जनरल बाजवा की सरकार का संकर रूप। लेकिन अब विभिन्न कारणों से आम लोगों का धैर्य समाप्त होता जा रहा है जैसे- राजनीतिक अभिजात वर्ग के प्रति गुस्सा, बढ़ती महंगाई, कुशासन और वर्तमान राजनीतिक अस्थिरता। और लोग किसी भी तरह की राजनीतिक व्यवस्था को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं हैं, जो लोगों की इच्छा को ध्यान में न रखे। वित्तीय राजधानी कराची और पंजाब के सबसे अधिक आबादी वाले प्रांत में स्थानीय चुनावों में खान की पार्टी की मौजूदा जीत को राष्ट्रीय मनोदशा के लिए लिटमस टेस्ट के रूप में देखा गया है। साथ ही, सेना द्वारा अब तक इमरान पर दबाव डालने के सभी हथकंडों ने उन्हें डराने की बजाय और लोकप्रिय बना दिया है। यह भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि इमरान खान का बड़ा समर्थन आधार पंजाब से आता है, जो पाकिस्तान सेना का मूल भी है। सेना के लिए बलूचों का नरसंहार करना, या बंगालियों का कत्ल करना, या सिंधी और पश्तूनों को मारना एक बात है, लेकिन पंजाब में ऐसा करना दूसरी बात है। इससे सेना के लिए पीटीआई प्रमुख और उनके समर्थकों पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई करना बहुत मुश्किल हो जा रहा है। यह वास्तव में सत्ता के गलियारे को छोड़कर बैरकों में जाने के लिए पाकिस्तानी सेना के लिए एक वेकअप कॉल है अन्यथा उनका हश्र म्यांमार के सैन्य जुन्टा के समान हो सकता है, जहां जून्टा अपने शासन के खिलाफ गृह युद्ध का सामना कर रही है।

-मनीष राय-

मनमानी पर उतरी विजयन सरकार

जिस निर्लज्जता से केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन ने सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट आदेश की अवमानना की है, वह अत्यंत गंभीर संवैधानिक गलती है।

केरल उच्च न्यायालय के निर्णय को निरस्त करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने 21 अक्टूबर, 2022 को राज्य शासन द्वारा नामित एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर डॉ. एम. एस. राजश्री की नियुक्ति को अवैध करार दिया था। न्यायाधीश-द्वय मुकेश कुमार रसिकभाई शाह तथा चुडलाटी थेवन रवि कुमार ने अपने आदेश में कहा कि केरल शासन का निर्णय त्रुटिपूर्ण है, और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मान्य नियमों का उल्लंघन करता है। आयोग के अनुसार कुलपति के चयन के लिए खोज समिति बनती है जो कुछ नामों को अग्रसारित करती है। मगर डॉ. राजश्री का अकेला नाम सूची में था। वैकल्पिक नामांकन नहीं था। अतः वह रद्द कर दिया गया।

मगर माकपा शासन ने इस आदेश को क्रियान्वित नहीं किया। इसी तरह केरल उच्च न्यायालय ने केरल मत्स्य पालन एवं महासागर अध्ययन विश्वविद्यालय (केयूएफओएस) के कुलपति की नियुक्ति को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि उनकी नियुक्ति भी यूजीसी के मानदंडों के खिलाफ है। मुख्य न्यायाधीश एस. मणिकुमार और शाजी पाल चाली की खंड पीठ ने कहा कि डॉ. के. रीजि जॉन को केयूएफओएस का कुलपति नियुक्त करने के दौरान यूजीसी के उस नियम का पालन नहीं किया गया जिसके तहत कुलाधिपति को तीन या उससे अधिक दावेदारों की सूची भेजना अनिवार्य है। पीठ ने कहा कि नये कुलपति के लिए कुलाधिपति एक चयन कमेटी गठित कर सकते हैं। स्पष्ट किया कि कुलपति के चयन में यूजीसी के मानदंडों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। उच्च न्यायालय का यह फैसला डॉ. जॉन की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आया है।

यह फैसला राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान द्वारा जॉन का इस्तीफा मांगे जाने के कदम को जायज ठहराता है। खान ने इस आधार पर जॉन का इस्तीफा मांगा था कि उच्चतम न्यायालय ने ऐसे ही एक मामले में कहा था कि यूजीसी के मानदंडों के अनुसार राज्य सरकार द्वारा गठित चयन कमेटी को कम से कम तीन उपयुक्त दावेदारों के नामों की सिफारिश करनी चाहिए थी। राज्यपाल चाहते हैं कि कुलपति का नामांकन आयोग की नियमावली के मुताबिक हो। पिनरायी विजयन अपने चहेतों को पदासीन कराना चाहते हैं। यही मूलभूत मसला है कि शासन नियमों पर चलेगा या पार्टी हित में? आरिफ मोहम्मद खान के विरुद्ध अभियान की वजह क्या है? मुख्यमंत्री विजयन के निजी सचिव हैं केके रागेश। उनकी पत्नी को कन्नूर विश्वविद्यालय कुलपति तथा गोपीनाथ रवीन्द्रन को मलयालम भाषा विभाग में एसो. प्रोफेसर नियुक्त कर दिया गया है। चयन समिति के समक्ष छह प्रत्याशी पेश हुए थे।

सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी के अनुसार डॉ. प्रिया का शोध स्कोर मात्र 156 था। द्वितीय स्थान पर नामित हुए प्रत्याशी को 651 अंक मिले थे। इंटरव्यू में द्वितीय आए उम्मीदवार को कुल 50 में से 32 अंक मिले जबकि प्रिया को पचास में से मात्र 30 अंक। राज्यपाल आरिफ को सूचना मिली कि प्रिया के पति रागेश माकपा के छात्र संगठन एसएफआई के प्रमुख थे और माकपा के पूर्व सांसद। इस बीच केरल हाई कोर्ट ने प्रिया की नियुक्ति पर रोक भी लगा दी। यूजीसी को नोटिस भी जारी कर दिया।

इसके अतिरिक्त केरल में एक और शासकीय कुप्रथा है। इससे राज्य कोष पर अनावश्यक बोझ पड़ता है। केरल के मंत्रियों को अधिकार है कि वे बीस-बीस व्यक्तियों को अपने निजी स्टाफ में नियुक्त कर सकते हैं। स्वाभाविक है कि सभी राजनीतिक कार्यकर्ता होंगे। ढाई साल की नौकरी के बाद सभी को कानूनन आजीवन पेंशन भी मिलती है। क्या पार्टीबाजी है? राज्यपाल ने इस पर ऐतराज जताया तो माकपा मुख्यमंत्री नाराज हो गए। माकपा ने राज्यपाल के पद ही को खत्म करने की मांग कर दी। एक अन्य अत्यंत गंभीर आरोप भी राज्यपाल का है कि मुख्यमंत्री राज्यपाल को शासकीय विषयों तथा सूचनाओं से वंचित रखते हैं। राज्यपाल को आतंकित करने में सारे हथकंडे अपनाते हैं।

-के. विक्रम राव-

एक पड़ाव ढल गया है

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी
छत्तीसगढ़

उम्र पलपल घटती ही जा रही है
जैसे समय चलती ही जा रही है
दूसरा पड़ाव आरम्भ हो गया है
उम्र का एक पड़ाव ढल गया है
समय मे प्रयास अच्छे करने होंगे
जीवन मे काम अच्छे करने होंगे
जिंदगी तो ऐसे ही निकल गया है
उम्र का एक पड़ाव ढल गया है
इस जीवन को सार्थक बनाये
शुभकर्मन की खेती कर जाये
बचपने से आगे निकल गया है
उम्र का एक पड़ाव ढल गया है
रेत सी फिसलती यह जिंदगी
करते रहिये नियमित बन्दगी
डोर की ऐंठ भी तो जल गया है
उम्र का एक पड़ाव ढल गया है
तेरा मेरा सब चार दिनों का है
ये जीवन तो बस मिट्टी का है
प्राण है तो थोड़ा चल गया है
उम्र का एक पड़ाव ढल गया है
करो उद्यम की नाम हो जाये
जग के ही कुछ काम हो जाये
उम्र तो अब वैसे ही ढल गया है
उम्र का एक पड़ाव ढल गया है

यादों का झरोखा

कमलेश झा
भागलपुर
बिहार

यादों के झरोखों से जब झांकती पुरानी याद
हृदयतार को फिर झंकृत करती है वो पुरानी याद ।।
बचपन के वो खेल खिलौने भाई बंधु का वो प्यार
घर परिवार की वो खट्टी मीठी बातें अपनो का दिया वो प्यार।।
यादों के झरोखों से जब झांकती पुरानी याद
हृदयतार को फिर झंकृत करती है वो पुरानी याद ।।
कुछ भूली कुछ बिसरी यादें बीती वचपन की वो याद
कुछ कही तो कुछ अनकही बातें वचपन की वो मीठी याद।।
यादों के झरोखों से जब झांकती पुरानी याद
हृदयतार को फिर झंकृत करती है वो पुरानी याद ।।
मित्र दोस्त और सहपाठी संग साथ विताये अच्छी याद
वर्षों बाद भी यादों में रहना साथ बनकर उनका याद ।।
यादों के झरोखों से जब झांकती पुरानी याद
हृदयतार को फिर झंकृत करती है वो पुरानी याद ।।
घर परिवार की जिम्मेदारी और समाज से मिलकर चलना कदम ताल
नई पुरानी यादों संग करते रहना नया कार्य ।।
यादों के झरोखों से जब झांकती पुरानी याद
हृदयतार को फिर झंकृत करती है वो पुरानी याद ।।
कुछ छुटे कुछ टूटे रिस्ते उसको पिरोना अपना कार्य
यादों के वो दीप जला जिंदा रखना वो पुरानी याद।।
यादों के झरोखों से जब झांकती पुरानी याद
हृदयतार को फिर झंकृत करती है वो पुरानी याद ।।

आंखों पर पट्टियां ना बांधों हिन्दू बेटियों- लव जिहाद

जी हां , आज जब खुद से ही बतिया कर मैं विचार करने बैठी तो , विचार उपरांत ही ये नतीजा निकल कर सामने आया , पर ये क्या खुद के विचारों पर ही शक की सुई लगा कर निष्कर्ष निकाला की , इस नतीजे का हल अभी तक कोई ना पाया है , कैसे पा सकते हैं क्यों कि इस मुद्दे पर या ये कहें कि अपने अंतर्मन को खुद भावनाओं में बहने से बचाने के लिए हमारी हिंदु लड़कियों को इस मुद्दे पर विचार करना ही होगा । जानते हैं आज मेरे मन को व्याकुल करने वाला विचार क्या है ? जिसने मुझे दर्द में झौंक , सोचने पर मजबूर कर दिया है । वो विचार है जिसने अंतर्मन को झकझौर दिया *लव जिहाद* जी हां लव जिहाद के बढ़ते किस्सों के अंतर्गत ना जाने कितनी हिन्दू लड़कियां अपनी जान से हाथ धो रही हैं । ये विचारणीय मुद्दा है । जब दूसरे धर्म के लोग हमारे हिन्दू समुदाय को हराने में नाकाम साबित हो रहे हैं तो अपनी नाकामियों पर पर्दा डालने के लिए उन्होंने हमारी हिन्दू बेटियों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है । अब सवाल ये उठता है कि इसमें गलती किसकी है ? हिन्दू बेटियों की या कमसिन उम्र की , अंतर्मन की या साजिशों की ? जिसकी दुर्गंध हमारी बेटियों को पहले आ ही नहीं पाती है ? वर्ष 2022 के ही यदि पन्नों को पलटा जाए तो अभी तक हमनें जितने भी लवे जिहाद के किस्से सुने हैं उसमें कभी भी कहीं भी किसी राज्य की घटनाओं में ये ना सुना की कोई फलाने धर्म की बेटी , किसी हिन्दू के बेटे से प्रेम कर शादी के बंधन में बंधी हो । हर बार यही सुना खबरों में की फलाने शहर में फलानी हिन्दू बेटी लव जिहाद का शिकार हुई । आखिर क्यों दूसरे धर्म की बेटियों का शिकार नहीं होता ये सवाल बहुत ही विचारणीय है ? इसका जवाब भी मेरे मन मस्तिष्क पर दस्तक दे रहे और जवाब है हमारी हिन्दू बेटियों में संस्कारों की कमी , बंदिशों की कमी , अधिक आज़ादी वगैरह-वगैरह । मेरी भी सखियां हैं जो मुस्लिम धर्म की हैं वो बताती हैं कि बचपन से ही उन्हें उनकी शिक्षा के साथ-साथ धर्म की भी शिक्षा दी जाती है विद्यालयों और घर में भी और बाहर भी । हमारे हिन्दु धर्म की कोई शिक्षा स्कूलों में नहीं दी जाती है क्यों ? असेंबली में हनुमान चालीसा या गीता के श्लोक नहीं पढ़ाए जाते ? मेरी सखी बताती हैं कि उन्हें छोटे कपड़े पहनने की बिल्कुल अनुमति नहीं है । जब कि हमारी हिन्दू बेटियां छोटे-छोटे तंग कपड़े पहन रोड पर घूमती मिल जाएंगी । रात को बाहर निकलने की अनुमति नहीं विशेष समुदाय कि लड़कियों को और हमारे धर्म की लड़कियां रात को बारह बजे भी बाहर टहलती नजर आएंगी(नाईट वॉक) के नाम पर । अब बताइए ओर क्या-क्या कमियां गिनवाऊं ? अपने हिन्दू बच्चों को बच्चपन से ही लव जिहाद की पढ़ाई करवाना अब हर घर के सदस्यों की जिम्मेदारी है , यदि आप चाहते हैं दिल से अपने बच्चों की सुरक्षा तो सतर्क हो जाईये ताकी आपका बच्चा आपके बुढ़ापे का सहारा बने , ना कि आपके जीतेजी लव जिहाद का शिकार । सीखो हिन्दू बेटियों श्रृद्धा से जो दिल्ली में शिकार हुई आफताब की । अपने मां-बाप का विरोध करते हुए रह रही थी ना जिससे जान से ज्यादा प्यार किया उसी के साथ क्या हुआ ये तो आप सभी जानते ही हैं नतीजा पूरी दुनिया से नहीं छुपा है । उसके बाद हाल ही में एसा ही एक केस उत्तरप्रदेश से आया और दूसरा गुजरात के सूरत से मात्र एक महीने में तीन लव जिहाद के केस खबरों में देखे अब देखो बेटियों समझो आप नतीजा आपके सामने हैं आंखें खोलो सब देखते हुए भी आंखों पर पट्टी ना बांधों हिन्दू बेटियों । ना जाने अब कब कौन , किस राज्य की बेटी , किसकी बेटी अपने मां-बाप को दर्द दे मोहब्बत में दीवानी होकर लव जिहाद का शिकार होगी ये कह नहीं सकते । लव मैरिज मे कोई बुराई नहीं पर ये जान लो हमारे हिन्दू समुदाय में भी लड़के हैं जो इस तरह का गिरा हुआ कर्मकांड करने से पहले कांपेंगे । क्यों कि हमारे हिन्दू धर्म के संस्कार किसी को दर्द नहीं देने की शिक्षा देते हैं । थोड़ा विचार करियेगा लव जिहाद के शिकार हुए धर्म के आंकलन का । तो यही पाएंगे कि हिन्दू धर्म ही सौ प्रतिशत शिकार हो रहा इस लव जिहाद का , एक प्रतिशत भी दूसरे धर्म के खाते में नहीं जाता । गंभीर मुद्दा बन रहा लव जिहाद ।

वीना आडवाणी
तन्वी
नागपुर,महाराष्ट्र

बॉडी इमेज(मोटापा):सुनो सब की करो मन की

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर
उत्तर प्रदेश

शरीर का गठन और विकास कुदरत की बनाई बनावट है किसी को कम मिला तो किसी को ज्यादा। इसमें हैरानी की कोई बात नहीं! अगर आप दूसरों के रंग-रूप के मुकाबले खुद को कमतर समझते हैं तो ऐसे गुणों का विकास और इस्तेमाल करें जो दूसरों से बेहतर साबित हो सके। अक्सर मोटे लोग खुद के चेहरे से ज्यादा पतले चेहरे के लोगों को ज्यादा स्मार्ट मानते हैं और अपने गुणों को छिपाने की कोशिश करते हैं जो बिल्कुल गलत है। मोटे आकर्षक होने के साथ चतुर भी होते हैं और गुणों से दूसरों को आकर्षित कर सकते हैं। मोटा या काला होने का मतलब बदसूरत होना नहीं है। सुंदर और सुडौल शरीर वाली महिलाओं को सबसे सुंदर माना जाता था लेकिन आज विदेशी कल्चर से प्रभावित होकर लोगों ने सुंदरता की परिभाषा बदल दी है। अब छरहरी बदन वाली युवतियों को खूबसूरत कहा जाता है जिसके कारण ज्यादा मोटी महिलाओं को कुंठा होने लगती है। यदि आपको कोई मोटा कहकर बुलाता है तो आप हीन भावना से ग्रस्त हो जाती हैं। आप समाज और लोगों की परवाह के बिना अपनी नजरों से परखिए अपनी बॉडी इमेज को और अपने संकोच और हीन भावना को फटकने मत दे। कई लोगों की आदत होती है किसी भी मोटी महिला को हरदम टोकते रहते हैं कि ÷तुम पतली हो जाओ कम खाओ पियो!÷ और ना जाने कितनी बार सबके सामने लोग उनकी बेइज्जती भी कर देते हैं। कई बार परिवार के सामने भी वह महिलायें ट्रॉल होती रहती हैं, कभी पति के द्वारा, तो कभी सांस के द्वारा! इस प्रकार वह मोटी महिला खुद में सिमट कर रह जाती है। लेकिन लोग यह नहीं समझते हैं कि कई बार मोटापा वंशानुगत भी होता है वह चाहे भी तो अपने वजन को कम नहीं कर सकती हैं। आप जिनकी हंसी का पात्र बन रही है उनके सामने अपनी छवि इस कदर निखारे, ताकि आपको लोग देखकर प्रभावित हुए बिना ना रह पाए। मोटा होना कोई अभिशाप नहीं होता है बस आप चुस्त-दुरुस्त रहें और अपनी दिनचर्या में खाना-पीना सुनिश्चित कर लें। पतला होने का मतलब यह नहीं है कि आप डाइटिंग करने लगे! खाना बंद कर देने से आपकी समस्यायें और बढ़ जाएंगी, आपका शरीर शिथिल हो जाएगा, आंखों के नीचे काले घेरे बन जाएंगे, चेहरे की चमक चली जाएगी। पौष्टिक आहार न लेने के कारण समय से पहले बूढ़ी नजर आने लगेंगी।

कुछ महिलाएं मोटापे को अभिशाप समझकर कहीं आना जाना बंद कर देती हैं, लोगों से मिलना जुलना भी बंद कर देती हैं, जबकि यह उचित नहीं है। आप अपने जीवन को खुशी से जियें, लोगों से बातचीत करें, यह ना सोचे कि लोग क्या कह रहे हैं। आप उन से हटकर एक सामान्य महिला की तरह लोगों से अच्छा बर्ताव करें। पार्टी समारोह में जाएं अपने गुणों से सबको प्रभावित करें, यदि आपका कोई अपमान करता है तो उस स्थान से आप हट जाए। आप एक अपनी डायरी बनाए और उसमें अपने मन की बात लिखें। कभी-कभी कुछ बच्चे मोटापे से ग्रसित होने के कारण स्कूल में भी अपने सहपाठियों के द्वारा मजाक का पात्र बन जाते हैं, लेकिन जब किसी प्रतियोगिता में भाग लेकर खुद को साबित करते हैं, तो जिन लोगों ने उनका मजाक बनाया था वह सभी आकर उनके लिए ताली बजाते हैं। बस इसी तरह मोटिवेट करने से एक आत्मविश्वास का जन्म होता है। यदि कोई मोटा है तो उसका मजाक नहीं बनाना चाहिए। कई पुरुष ऐसे हैं जो मोटी महिलाओं से शादी करके एक स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रहे हैं इनमें से एक भारती सिंह है जो खुद में चुस्त-दुरुस्त है, उन्होंने कभी अपने मोटापे को जी का जंजाल नहीं बनाया, बल्कि टीवी में होस्ट बनकर और सबके चेहरों में हंसी लाकर एक सशक्त भूमिका निभा कर उन्होंने अपने गुणों का परिचय दिया है। जो लोग किसी के मोटापे का मजाक बनाते हैं वह नहीं जानते हैं कि वह संकुचित बुद्धि के प्रतीक है। यदि आपको कोई मोटी कह कर बुलाता है तो उसका बुरा नहीं माने, बल्कि उनकी किसी कमजोरी का एहसास दिला कर उसे हमेशा के लिए चुप कर सकती हैं आप। उन महिलाओं से प्रेरणा ले जिनसे आपको कुछ सीखने को मिल सकता हो, जरूरी नहीं है यह महिलायें बहुत मशहूर हो ये आपके रिश्तेंदार अथवा सहेली भी हो सकती है। ऐसी पत्र-पत्रिकाओं का अध्ययन करें जिससे आपको अपने व्यक्तित्व को निखारने में सहायता मिले। लोग क्या कहते हैं इसकी परवाह किए बिना आप रोजाना सबेरे सैर कीजिए और तेज चलने की आदत डालें, यह ना सोचें कि आपका कोई मजाक उड़ाएगा, उसकी परवाह किए बिना आप अपना ध्यान रखें। आप अपने आप को ऐसा बनाएं कि लोग आप पर नहीं, आपके गुण पर ध्यान दें। आपका शरीर है आप अपने शरीर को जैसे चाहे जैसे मेंटेन कर सकती हैं, बस सब चीज खाइए लेकिन तले हुए पदार्थ और जंक फूड पर थोड़ा सा नियंत्रण रखें। जितना हो सके हरी सब्जियों और फ्रूट सलाद का प्रयोग करें। आप जल्दबाजी में अपने शरीर को कष्ट ना दें। जितना व्यायाम आपसे हो सके उतना ही कीजिए। मेरे ख्याल से व्यायाम से बढ़िया उपाय आप रोज एक सुंदर संगीत लगाकर उस पर नृत्य करने की कोशिश कीजिए इसे शरीर के रक्त वाहिनी में खून का संचार बराबर बना रहेगा और जितना हो सके उतना ही नृत्य कीजिए जरूरत से ज्यादा कोई भी चीज ठीक नहीं होती है। रोजाना दिन में जितना पानी पिए उतना पिए लोग क्या कहते हैं इस पर ध्यान नहीं दीजिए। जिस दिन आपके अंदर आत्मविश्वास आ जाएगा तो वह लोग आपके मोटापे पर कभी उंगली नहीं उठा पाएंगे। कई परिवार ऐसे हैं जो मोटी महिलाओं के साथ अभद्रता करते हैं, उन्हें कहीं नहीं ले जाते उन्हें लगता है कि यदि वह महिला उनके साथ चलेगी तो उनकी बेइज्जती होगी! इसकी वजह से मोटी महिला अपने अंदर के आत्मविश्वास को बाहर नहीं ला पाती है नतीजा यह होता है कि वह अपने आप को दूसरी महिलाओं से कम समझने लगती हैं जो कि उनके स्वास्थ्य के लिए भी ठीक नहीं होता है। यदि आप अपने अंदर के आत्मविश्वास को जगाना चाहती हैं तो दर्पण के सामने खड़े हो जाइए और अपनी बॉडी इमेज को अच्छी तरह से निहारे एक आलोचक की तरह नहीं एक दोस्त की तरह अपने को परखे, यदि परखते समय आपको ऐसा लगे कि आप काफी मोटी हैं तो ऐसा सोचते समय अपनी भावनायें सही रखें, निराशा या अवसाद से घिरकर कहीं जाने से हिचकिचायें नहीं, बल्कि बेझिझक जाए।

तरक्की में अपनी स्थूल काया को अवरोधक मानने वाले सभी अभिनय से काम लेते हैं ताकि कमियों को छिपा जाए मगर यह उचित नहीं। दरअसल प्रतिभा हो तो स्थूलता आड़े आ नहीं सकती। अपने समय की एक मशहूर अदाकारा टुनटुन हुआ करती थी जिनका वास्तविक नाम उमादेवी था वह अपने मोटापे को लेकर कभी हीन भावना से ग्रस्त नहीं थी उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी फुलफुली काया से ही अपनी एक पहचान बनाई थी आज भी टुनटुन को लोग याद करते हैं। मोटापा कोई जी का जंजाल नहीं है आप अपने अंदर थोड़ा सा स्फूर्ति जगाकर चुस्त-दुरुस्त बनने की कोशिश करें, ताकि सामने वाले के मुंह स्वयं बंद हो जाए। आप अपने व्यवहार कुशलता से सबके मन जीत सकती है। मोटापा कोई बद्दुआ नहीं है फिर क्यों पतले होने के सपने पाल कर हजारों रुपए खर्च करके स्वयं के स्वास्थ्य को क्षति पहुंचाये? यह दुनियाँ है और लोगों का काम है कहना, लोगों को कहने दीजिए! आप इतनी प्रतिभाशाली बनें कि लोगों के मुंह पर ताले लग जाए और खुद का ख्याल रखिए। दिन भर ऐसे कार्य कीजिए जिसमें आपको फुर्ती मिलती रहे बस चतुरता से निखरिये और सुने सबकी करें अपने दिल की।

बिन नाम,पहचान के रिश्ते ये कैसे

मीनाक्षी
सुकुमारन
नोएडा
उत्तरप्रदेश

प्रेम कभी एक पवित्र रिश्ता होता था जिसमें दो दिल एक दूसरे के साथ, एहसास , भावनाओं को न सिर्फ समझते उसे मान सम्मान और भरोसा से संजोते थे। शादी के लिए परिवार की रज़ामंदी के लिए जी जान लगा देते थे उन्हें मनाने में और दोनों परिवार साथ मिल इस रिश्ते का नाम और अपना आशीर्वाद देते।

पर जैसे जैसे समय बदलता गया प्यार, रिश्तों , साथ का प्रारूप भी बदलने लगा उस में इतनी स्वच्छंदता आ गई की युगल अपने फैसले खुद ही लेने लगे आज़ादी का नाम देकर बनाम लिव इन रिलेशनशिप जिसमें न सेक्स की कोई बाध्यता थी न ही किसी लाज, लोक शर्म की बस एक कमरा ले लिया और साथ जीने लगे बिना किसी नाम, रिश्ते, बंधन के अपने अपने परिवार से दूर। यहां हम ने ये भी देखा, सुना, पढ़ा की आज की पीढ़ी को एक से ज़्यादा संबध स्थापित करने से भी कोई परहेज़ नहीं रहता। कभी किसी के साथ डेटिंग, कभी किसी के साथ अफेयर , किसी के साथ लिव इन रिलेशनशिप में.... मानो रिश्ता न हुआ कोई ड्रेस या परिधान हो गया जब मन भर गया, ऊब गए तो छोड़ दिया और नया ले लिया।

शायद यही वजह है प्यार, रिश्ते, शादी, बंधन जैसे शब्द अपने मायने खोने लगे हैं ।

इस से न सिर्फ मानसिक तनाव अपितु अपराध भी बड़े हैं फिर चाहे वो शोषण, मार पीट, आत्महत्या या मर्डर हो।

क्योंकि ये आपका निजी रिश्ता, निजी फैसला होता है न परिवार की सहमति, न उनकी सहभागिता और न ही कोई एकदूसरे से कमिटमेंट।

आखिर ऐसे रिश्ते, ऐसे संबंध, ऐसी स्वच्छंदता, ऐसी उन्मुक्तता का लाभ ही क्या जिसकी कोई मंजिल ही न हो या फिर मौत जो बेहद ही दर्दनाक और खौफनाक होती है।

ऐसा नहीं तनाव , परेशानीयां, अनिश्चितता परिवार द्वारा तय किये गए या आपसी मदयहस्सतता से बने रिश्तों में नहीं होती पर तब परिवार और कानून आपके साथ रहता है मामलों को सुलझाने और मदद करने को। साथ ही अपनी कोशिश और एक ज़िम्मेदारी भी होती है परिवार से जुड़े रहने और अपने रिश्ते को बनाये रखने की क्योंकि आप सिर्फ पति पत्नी नहीं माता पिता , बहू , दामाद भी होते हैं इसलिए बिगड़ती बातें बन जाती हैं और मसलों का हल भी निकल आता है क्योंकि आप अकेले नहीं होते।

पर ये बात लिव इन रिलेशनशिप में नहीं होती आपको खुद ही जूझना पड़ता है ज़्यादा से ज़्यादा दोस्तों से बात कर सकते हैं पर उसमें उतनी गहराई या परिपक्वता कहाँ जो परिवार जनों में होती है इसलिए अक्सर रिश्ते या टूट कर बिखर जाते हैं या जीवन की सबसे बड़ी भूल बनकर रह जाते हैं।

समय कोई भी हो , सदी कोई भी हो रिश्तों को लेकर इतनी बेफिक्री, इतनी सहजता, इतनी उन्मुक्तता भी सही नहीं की आप ज़रा से बड़े क्या हुए आप खुद को रिश्तों सेक्स की आग में झोंक दो और फिर इन सबसे इतना ऊब जाओ की खुद से ही नफरत होने लगे । जैसे सिगरेट, शराब, लेट नाईट पार्टीस , हैंग आउट से कोई परहेज़ नहीं वैसे सेक्स लाइफ से भी नहीं ।

इस उन्मुक्तता की कभी कोई मंजिल न रही है न रहेगी सिर्फ एक छल है जिसे हम अपनी आज़ादी, हक, खुशी दे खुद को खुद से ही छलते हैं और एक न एक दिन मानसिक तनाव में गिरफ्त हो उपचार में पहुंच जाते हैं और हैंडल न हो तो आत्महत्या या फिर मौत बनाम मर्डर के शिकार।

ऐसी ज़िन्दगी जीने का फिर क्या फायदा जिसकी कोई मंजिल ही न हो सिर्फ मौज मस्ती, आकर्षण या स्टेटस सिंबल। हर रिश्ते की एक सीमा, एक मर्यादा, एक कमिटमेंट , एक परिभाषा होती है.... यदि ये न हो तो उसके कोई मायने नहीं, कोई मतलब नहीं, कोई मंजिल नहीं।

कई लोग इसका शिकार हो चुके हैं कई हो रहे हैं पर बेहतर होगा आने वाली पीढ़ी और बच्चे सबक लें और भटके नहीं फिल्मी हस्तियों की ज़िन्दगीयों को देख, हाई सोसाइटी, स्टेटस सिंबल , सोशल मीडिया से बल्कि खुद तय करें सूझ बूझ समझ से क्या सही है क्या गलत क्योंकि ज़िन्दगी सच्चाई है कोई फैंटेसी नहीं । आप बदलोगे तभी समाज , रिश्ते, और परिवार। सच की रोशनी में जीना सीखो न की उन्मुक्तता के अंधेरे में। रिश्तों को पवित्र , निर्मल रहने तो उसे यूँ बेनाम और मैले मत बनाओ।

जब बात देव दासियों की, राज बालाओं की या प्रॉस्टिट्यूट की आती है तो हम नाक, मुँह , भौहें सिकुड़ने लगते हैं तो इन रिश्तों को क्या कहेंगे आप?? ज़रा सोचिए टटोलिये और संभलने का प्रयास करें । वरना पीढ़ियां यूँ ही अपने को ,अपने भविष्य को इस मकड़जाल में उलझाती रहेंगी बिना हिचक।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

जीवन में नशे से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में छात्र-छात्राओं को दी गई जानकारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 26 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

आईजी राम गोपाल गर्ग के मार्गदर्शन में सरगुजा जिले में नशा उन्मूलन के तहत विशेष अभियान नवाबिहान' चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत पुलिस अधीक्षक सरगुजा भावना गुप्ता के निर्देशन में स्कूल, कालेजों में शिविर आयोजित कर छात्र-छात्राओं को लगातार जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में 26 नवंबर को को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, यातायात उप पुलिस अधीक्षक कामता सिंह दीवान, प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक डॉ प्रशांत देवांगन द्वारा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक स्कूल मणिपुर में नशामुक्ति अभियान नवा बिहान', अभिव्यक्ति ऐप' एवं गुड टच बैड टच' के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला ने जीवन में नशे से होने वाले दुष्प्रभाव पर जानकारी दी एवं छात्र-छात्राओं को जागरूक कर सरगुजा पुलिस के अभियान नवाबिहान' के माध्यम से लोगों को नशे की लत से दूर करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। सरगुजा पुलिस द्वारा नवाबिहान

अभियान के तहत मेडिटेशन, काउंसलिंग के माध्यम से लगभग 250 लोगों को नशे की लत से दूर करने की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान छात्र छात्राओं को छत्तीसगढ़ पुलिस की महिला सुरक्षा संबंधी अभिव्यक्ति ऐप के बारे में जानकारी देकर अधिक से अधिक संख्या में ऐप डाउनलोड करने एवं उपयोग के संबंध में जानकारी दी गई। अभिव्यक्ति ऐप के माध्यम से आपातकालीन स्थिति में तत्काल पुलिस सहायता प्राप्त होती है। छात्र, छात्राओं को गुड टच बैड टच के बारे में विधिवत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान जागरूकता शिविर में विशेष योगदान देने वाले 3 छात्र छात्राओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। आयोजन के दौरान उप निरीक्षक अनीता आयाम, उप निरीक्षक सरफराज फिरदौसी, मणिपुर स्कूल के प्राचार्य एलपी गुप्ता, आईपी राजवाड़े, जगनारायण राजवाड़े, कामेश्वर सिंह, प्रेमसाय भगत, शशि कश्यप, माया सिंह, प्रेम-साथ भगत माया सिंह, गीता गुप्ता, जगदीश सिंह, विवेक टोप्पो, संध्या सूर्यवंशी, प्रियंका जायसवाल, ममता यादव, अपूर्वा एक्का, ब्रह्मा कुमारी गायत्री परिवार से सरस्वती दीदी, चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी से मंगल पांडेय,सीजीपीवीएस से अनिल मिश्रा, शियति सोशल वेलफेयर सोसायटी से सुनिधि शुक्ला, सामाजिक कार्यकर्ता अजय तिवारी, कवि संतोष दास एवं पुलिस विभाग के अधिकारी, कर्मचारी व स्कूल के शिक्षक-शिक्षिका उपस्थित रहे।

वाहन चालकों की लापरवाही के कारण होती है अधिकांश दुर्घटनाएं

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 26 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा पथ सुरक्षा जीवन रक्षा अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, नगर पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला, यातायात उप पुलिस अधीक्षक कामता सिंह दीवान, यातायात प्रभारी जयराम चेरमाको के नेतृत्व में शनिवार को सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से एवं छात्र-छात्राओं में यातायात जागरूकता हेतु केआर टेक्निकल कॉलेज अम्बिकापुर में यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। अधिकांश दुर्घटनाएं वाहन चालक के लापरवाही, तेज गति, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग, नशा का सेवन कर वाहन चलाने तथा यातायात नियमों का पालन न करने के कारण सड़क दुर्घटना हो रही है। जिसे रोकने हेतु यातायात नियमों का पालन किया जाना अत्यन्त जरूरी है।

आम जनों को सुरक्षित व यातायात नियमों का पालन कर वाहन चलाने हेतु अपील की गई। कार्यक्रम के दौरान यातायात पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं काफी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक शिक्षिका शामिल रहे।

संविधान दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 26 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

संविधान दिवस के अवसर पर संकल्प भवन भाजपा कार्यालय अंबिकापुर में अनुसूचित जाति मोर्चा सरगुजा द्वारा बैठक कर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए भारत के संविधान और उससे देश के सभी वर्गों को लाभ हुआ तथा उनके जीवन स्तर में जो क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं उन सब बातों पर चर्चा उपरांत अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया गया। इस अवसर पर अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष नकुल सोनकर, ध्रुव कुमार रवि, प्रकाश राम गढ़वारी, देवनारायण सारथी, रामजीत सारथी, भगत राम चौहान, उमाशंकर, राजकुमार सोनवानी, सहोदर सोनवानी, प्रकाश कुमार, बालीचरण यादव, ईश्वर चौधरी, नंदा राम, रामभरोस सिंह, राजाराम नायक, विनोद सारथी, रामफल राम सोनवानी, परमेश्वर सारथी, कमलेश चौधरी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नाबालिग बालिका गुजरात से बरामद

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 26 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

घर से बाहर जा रही हूं कहकर निकली बालिग बच्ची को अज्ञात व्यक्ति बहला फुसला कर अपने साथ ले गया था। परिजन की रिपोर्ट पर पुलिस ने बालिका को गुजरात से बरामद किया है। जानकारी के अनुसार सीतापुर क्षेत्र निवासी एक बालिका घर से बाहर जा रही हूं कह कर निकली थी। जो वापस नहीं लौटी। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसला कर उसे भगाकर अपने साथ ले गया था। परिजन की रिपोर्ट पर सीतापुर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी कृष्णा गिरी उर्फ किशन गिरी साकिन विशुनपुर थाना सीतापुर के कब्जे से नाबालिग बालिका को बरामद किया गया। आरोपी भगाकर गुजरात ले गया था। पीड़िता से शादी करने का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म भी किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

'18 वर्ष से कम उम्र वाले बच्चों पर पास्को एक्ट समान रूप से है लागू'

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 26 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

शहर के उर्सुलाइन विद्यालय में विजन समाज सेवी संस्था द्वारा महिला सुरक्षा अभियान के अंतर्गत स्कूली बच्चों के लिए विधिक सहायता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायधीश अमित जिंदल ने कहा कि पास्को एक्ट सभी बच्चों पर समान रूप से लागू है, चाहे वह लड़की हो या लड़का बस उनकी उम्र 18 वर्ष से कम होनी चाहिए। यदि नाबालिक लड़के के विरुद्ध भी कोई अपराध होता है तो अपराधी लड़की को भी सजा दी जा सकती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक हेमंत उपाध्याय ने कहा कि सभी स्कूल में बच्चों की समस्याओं के समाधान के लिए बालक अथवा बालिका सुरक्षा समिति का गठन है उसे सक्रिय करना चाहिए तथा हर स्कूल में शिकायत पेटी लगी रहती है। बच्चियों या बच्चों को सुरक्षा संबंधी कोई भी आशंका होने पर वे अपनी बात उसमें लिख कर बता सकते हैं। उनका नाम गोपनीय रखा जाएगा। सबसे जरूरी बात यह है कि सभी में गलत का विरोध करने का साहस होना चाहिए। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि नगर पुलिस अधीक्षक आईपीएस अधिकारी राजमाला ने सर्वप्रथम हम 26/11 के मुंबई हमले में शहीदों की श्रद्धांजलि पर 2 मिनट का मौन रखते हुए हेल्पलाइन नंबर 112 बाल हेल्पलाइन नंबर 1098 तथा अभिव्यक्ति ऐप के बारे में बताया।

विजन समाज सेवी संस्था के डायरेक्टर अधिवक्ता शिल्पा पांडेय ने बताया कि हमारी समाज सेवी संस्था विजन विगत 17 वर्षों से महिला एवं बाल कल्याण के क्षेत्र में सतत कार्य कर रही है। महिला सुरक्षा अभियान योजना अंतर्गत संस्था ने लगभग 100 से ऊपर वर्कशॉप किए हैं तथा जगह-जगह जाकर जन जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से समाज को जागृत करने का प्रयास किया है। संस्था के कोऑर्डिनेटर उमेश पांडेय ने अपने उद्बोधन में सभी अतिथियों का स्वागत कर उक्त विधिक जागरूकता कार्यक्रम में सभी से सहयोग की अपील की। स्कूल की तरफ से स्वागत उद्बोधन सिस्टर सिसिलिया ने किया तथा कथा समापन उद्बोधन सिस्टर फेबियोला ने किया। कार्यक्रम में समाजसेवी संस्था से ललिता पांडे, शशि कला सिन्हा, अनुराधा दास, शारदा कुशवाहा, गंगोत्री चौहान, नूर आयशा खातून, राजू यादव व सचिन सहित अन्य लोग शामिल थे।

फरार वारंटी को कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 26 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

मनेन्द्रगढ़ थाने की पुलिस दुष्कर्म के मामले में न्यायालय से जारी वारंटी को जशपुर जिले से गिरफ्तार कर थाने लेकर जा रही थी। तभी आरोपी चकमा देकर अंबिकापुर कोतवाली क्षेत्र के लुचकी घाट से फरार हो गया था। मनेन्दगढ़ पुलिस ने इसकी रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई थी। धारा 224 के तहत कोतवाली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार सहायक उप निरीक्षक राजेन्द्र श्रीवास्तव थाना मनेन्द्रगढ़ द्वारा थाना कोतवाली अंबिकापुर में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि अपर सत्र न्यायाधीश मनेन्द्रगढ़ के न्यायालय से जारी गिरफ्तारी वारंट धारा 363, 366, 376 (2), 120बी, 34 आईपीसी 4.6 पास्को एक्ट के गिरफ्तारी वारंटी जगरनाथ राम ऊर्फ चरकू निवासी लोरो थाना बगीचा जिला जशपुर को पुलिस अभिरक्षा में लेकर मनेन्द्रगढ़ थाना ले जाया जा रहा था। इस दौरान लुचकी घाट अम्बिकापुर के पास मौका पाकर पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया था। प्रार्थी की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 224 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मुखबिर की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी को ग्राम सकुनत लोरो थाना बगीचा से गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली उपनिरीक्षक रुपेश नारंग, उप निरीक्षक आरएन गुप्ता, सहायक उप निरीक्षक कृष्ण कुमार यादव, आरक्षक सचितानंद, अमित टोप्पो, शिव राजवाड़े शामिल रहे।

रिंग रोड पर बेतरतीब खड़े 31 वाहनों पर की गई चालानी कार्रवाई

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 26 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

रिंग रोड में यातायात व्यवस्था के सुचारू संचालन हेतु सरगुजा पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, नगर पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला, यातायात उप पुलिस अधीक्षक इमानुएल लकड़ा के नेतृत्व में यातायात पुलिस द्वारा रिंग रोड में खड़े मालवाहक वाहनों पर लगातार कार्रवाई की जा रही हैं। शनिवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला के नेतृत्व में यातायात पुलिस द्वारा रिंग रोड में खड़े वाहन जिसमे 11 ट्रक, 1 बस, 10 चारपाहिया वाहन, एवं 9 दोपहिया वाहन सहित कुल 31 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 14 हजार 500 रुपए की चालानी कार्रवाई की गई। सरगुजा पुलिस द्वारा रिंग रोड पर खड़े माल वाहक वाहनों पर लगातार कार्रवाई करने से रिंग रोड की यातायात व्यवस्था में सुधार हो रहा है।

संविधान दिवस पर किया गया संविधान की प्रस्तावना का पठन

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 26 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की 125 वीं जयंती पर 26 नवंबर को जिले के कार्यालयों में संविधान दिवस मनाया गया। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने कलेक्टोरेट परिसर में स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा एवं डॉ अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों के द्वारा संविधान की प्रस्तावना का पठन किया गया।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा डॉ बी.आर. अंबेडकर की 125 वीं जयंती के अवसर पर प्रतिवर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाने का निर्णय लिया गया है। डॉ अंबेडकर भारतीय संविधान के प्रारूप निर्माण समिति के अध्यक्ष थे। भारतीय संविधान को 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा में अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया गया है।

संविधान दिवस पर याद किए गए डॉ. भीमराव अंबेडकर

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 26 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

ब्लाक कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग कांग्रेस द्वारा राजीव भवन में शनिवार को संविधान दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जहां मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन तेलघानी विकास बोर्ड के सदस्य लक्ष्मी गुप्ता ने संविधान का निर्माण करने वाले डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए, संविधान के प्रस्तावना का पाठन कराया तत्पश्चात उन्होंने संविधान दिवस के उपलक्ष पर प्रदेशवासियों को बधाई दी एवं उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, छात्रों, कार्यकर्ताओं को संविधान की शपथ भी दिलाई। इस दौरान मदरसा बोर्ड के उपाध्यक्ष इरफान सिद्दीकी, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष प्रवीण गुप्ता, गोपाल केसरवानी , डॉक्टर शिव मंगल सिंह एवं भरत प्रसाद गुप्ता ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर कमलेश यादव, आलोक यादव, नकलाल गुप्ता, शुभम ठाकुर, हेमंत मिश्रा, अमित सिंह, फरान खान, सेवा दल युथ जिला अध्यक्ष शाकीब फिरदौसी, रोहन साहू, सुरज जायसवाल, करन, राम सिन्हा, विकास साहू एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

अवैध कारोबार को लेकर जहां खाखी बदनामी का दंश झेल रहा है,बदनामी से बचने प्रयास क्यों नहीं कर रहा ?

- मनेंद्रगढ़ पुलिस थाना प्रभारी की पदोन्नति में रोड़ा न बन जाये मनेंद्रगढ़ में जारी अवैध शराब का कारोबार
- मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी को संदेश,अवैध शराब को लेकर खबर प्रकाशित करने वाले पत्रकारों को पीटने की धमकी दे रहे अवैध शराब कारोबारीःसूत्र
- मनेंद्रगढ़ में अवैध शराब मामले में खबर प्रकाशित करने वाले पत्रकारों को धमकी देने की हिम्मत किस पुलिसकर्मी की सह पर मिल रही है ?
- क्या मनेंद्रगढ़ पुलिस थाना प्रभारी अवैध कारोबार को संरक्षण देते हुए लेंगे पदोन्नति ?
- अवैध कबाड़ का भी मनेंद्रगढ़ में हो रहा बड़े स्तर पर कारोबार,थाना प्रभारी की मिलीभगत भी है शामिलःसूत्र

- रवि सिंह -
एमसीबी/मनेंद्रगढ़ 26 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)

एमसीबी जिले में जिस प्रकार से अवैध कारोबार ने अपनी जड़े जमाया हैं और यह जड़े सिर्फ जमी है तो संरक्षण से और यह संरक्षण खाखी और खादी ने दी है इस समय संरक्षण में खाकी और खादी दोनों बदनामी की दाग ले ली है पर यह दाग मिटेगा कैसे और क्या इसे मिटाने के लिए क्या करेंगे खाकी और खादी? एमसीबी की पुलिस बेदाग रहने का ढोंग तो कर रही है पर बेदाग बची नहीं, इसका उदाहरण सिर्फ अवैध कारोबार की फैलती जड़े हैं अवैध कारोबार करने वालों की संख्या से लेकर क्षेत्र का दायरा भी खूब बढा जिसमें पूरा सैनिकेट ही काम कर रहा। अवैध कारोबार में लिप्त लोग खबर प्रकाशन करने वाले पत्रकारों को धमकी देने से भी परहेज नहीं करते, यह धमकी की बात सूत्रों की माने तो पुलिस के मुंह से ही सुनने को मिल रहे हैं, अब सवाल यह उठता है क्या खबर प्रकाशन से पुलिस के अवैध कारोबार के मुद्दे उठाते है तो पुलिस तिलमिला कर पत्रकारों पर अपराध दर्ज करती है और क्या पुलिस ही पत्रकार को कारोबारियों से पिटवा ने की योजना बना रही है यदि इस बात में तोड़ी भी सचाई है तो आप सोच सकते हैं कि पुलिस किस कदर तक जाने को तैयार है पर अवैध कारोबार बंद करने को तैयार नहीं क्या अवैध कारोबार करके ही पदोन्नति पाएंगे प्रभारी?

पुलिस का नाम आते ही जहां देशभक्ति जनसेवा का नारा याद आ जाता है मन मे सुरक्षा की भावना घर कर लेती है वहीं हाल के वर्षों में अविभाजित कोरिया जिले की पुलिसिंग देखकर सबकुछ गलत लगने लगता है देशभक्ति जनसेवा के नारों को मन झूठा मानने लगता है वहीं सुरक्षा को लेकर पर पुलिस पर से विश्वास उठ जाता है जो लगातार देखा जा रहा है महसूस भी किया जा रहा है। अविभाजित कोरिया जिले में विगत वर्षों में प्रायः यह देखा गया है कि अपराध जहां बढ़े हैं वहीं यह भी देखा गया है कि अपराध पर अंकुश लगाने वाली पुलिस अवैध कारोबार मामले में मौन साधे बैठी है। बैकुंठपुर, पटना, चिरमिरी, सहित मनेंद्रगढ़ पुलिस थाना क्षेत्रों में तो विगत चार वर्षों से अवैध कारोबारियों की बाढ़ सी आई हुई है और इन पुलिस थानों में पदस्थ पुलिस कर्मियों को इसपर अंकुश लगाते नहीं देखा गया है।

अवैध कारोबारियों में पुलिस का भय क्यों नहीं ?

कोयला चोरों का मनोबल तो इतना बढ़ा हुआ देखा गया हाल के दिनों में की उन्होंने कोयला चोरी रोके जाने की बात पर एसईसीएल कर्मचारियों पर जानलेवा हमला तक कर दिया और पुलिस भी तब पहुँची जब सब भाग चुके थे,बाद में उन्हें पकड़ तो लिया गया लेकिन उनकी गिरफ्तारी तब हुई जब स्वयं संसदीय सचिव छत्तीसगढ़ शासन एवम बैकुंठपुर विधायक ने कार्यवाही नहीं होने की स्थिति में धरने पर बैठने की चेतावनी पुलिस को दे डाली,स्पष्ट है कि संसदीय सचिव की चेतावनी न होती हमलावर कोयला चोर नहीं पकड़े जाते और पुलिस सबकुछ जानकर भी मौन बनी रहती और चोरी के काम को सह देती रहती,पुलिस कोयला चोरों से किस तरह की सहानुभूति रखती है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जिस थाना क्षेत्र से प्रतिदिन करोडों का कोयला बड़ी गाड़ियों में खुलेआम भरकर चोरी कर अन्य राज्यों को लेजाकर बेच दिया जा रहा है इसबात की पुलिस को भनक भी नहीं और जब जानलेवा हमला हुआ एसईसीएल कर्मचारियों पर तब भी पुलिस तब पहुँची जब हमला हो चुका था जबकि घटना स्थल बिल्कुल थाने से करीब था,वहीं मामले में दर्जनों गिरफ्तारियों के बाद जब इसबात की पुष्टि भी हो गई कि कोयला चोरी हो रही थी हमला भी जानलेवा हुआ थाना प्रभारी को नहीं हटाया गया मामले में जांच कार्यवाही उन्हें ही सौंप दिया गया जिसके रहते ही कोयला चोरी व्यापक रूप से जारी था। इसी तरह पटना चिरमिरी में भी कोयला चोरों का आतंक है और दोनों जगहों पर कोयला चोर अपनी परस्पर एसईसीएल की तर्ज पर अवैध कोयला खदानें संचालित कर रहें हैं और करोड़ों का कारोबार चोरी का आज भी जारी है।

मनेंद्रगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र में जारी है अवैध शराब का कारोबार, कबाड़ चोरी का भी होता है बड़े स्तर पर काम

नवीन जिले एमसीबी की बात की जाए तो यहां शराब हर होटल में परोसी जार रही है इसकी पुष्टि स्वयं सत्ताधारी दल की महिला नेत्री कर रहीं हैं बयान दे रहीं हैं वहीं कबाड़ का भी व्यवसाय बड़े स्तर पर पुलिस की सह पर जारी है यह भी आरोप लग रहे हैं और उसके बावजूद भी दो वर्षों से ज्यादा समय से एक ही थाने में प्रभारी बनकर उपनिरीक्षक अपनी सेवा दे रहें हैं। थाना क्षेत्र में जारी अवैध कारोबार को लेकर खुद थाना प्रभारी कुछ लोगों को आगे कर पत्रकारों को धमकाते हैं लेकिन उसके बावजूद वह शराब और कबाड़ पर कार्यवाही नहीं करते और बताया जा रहा है कि उनके मधुर संबंध कार्यवाही के बीच मे आ जा रहें हैं। मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी या तो दयालु हैं और इसलिए ही वह अवैध कारोबारियों को कानून की जद में नहीं ला पा रहें हैं अब ऐसा सोचना भी मजबूरी हो गया है क्योंकि जिस थाना क्षेत्र में थाना के बगल में ही अवैध शराब सरेआम परोसी जा रही हो कबाड़ का जखीरा कुछ दूरी पर ही पड़ा हो और पुलिस की नजर न पड़े ऐसा शायद ही कोई मानने तैयार हो और इसलिए इसको थाना प्रभारी की दरियादिली कहना गलत नहीं होगा जो दिखाई भी दे रहा है।

अवैध कारोबार को लेकर खाकी है बदनाम,बदनामी से बचने खाकी क्यों नहीं कर रही बढ़िया काम

अविभाजित जिले में अवैध कारोबार को लेकर खाकी लगातार बदनाम होती आ रही है,खाकी पर आरोप लगते रहें हैं कि वह कुछ लाभ के कारण अवैध कारोबार को सह दे रहें हैं यह भी लोग कहते सुने जा सकते हैं,खाकी पर आरोप तो लग रहें हैं लेकिन खाकी अवैध कारोबार मामले में खुद पर लग रहे आरोपों को लेकर मौन है जबकि वह चाहे तो अवैध कारोबार एकदिन में बंद हो जाएंगे और उनपर लग रहा आरोप भी निराधार हो जाएगा,लेकिन लगता नहीं पुलिस की ऐसी कोई मंशा है क्योंकि कुछ बात तो है जो अवैध कारोबार मामले में पुलिस मौन है।

मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी की पदोन्नति में रोड़ा न बन जाये क्षेत्र में जारी अवैध कारोबार

मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी के कार्यकाल में मनेंद्रगढ़ में जमकर अवैध कारोबार फलाफूला है अवैध शराब और कबाड़ का करोबद मनेंद्रगढ़ में अपनी जड़ें जमा चुका है,कभी कभार एक दो कार्यवाही दिखावे के नामपर करते हुए थाना प्रभारी खुद को साबित तो कर रहें हैं लेकिन अब सत्ताधारी दल के लोग ही जब मुखर होकर कह रहें हैं कि शराब और कबाड़ का कारोबार हर जगह शहर में जारी है शहर में तो समझा जा सकता है किस स्तर पर अवैध कारोबार जड़ जमा चुका है,यही कारोबार कहीं थाना प्रभारी की पदोन्नति में रोड़ा न बन जाये इसकी संभावना अब बलवती होने लगी है।

मनेंद्रगढ़ में पत्रकारों को भी मिलती है धमकी,अवैध कारोबार की खबरों पर पत्रकारों को मिलती है चेतावनी,इसके पीछे किस पुलिसकर्मी की सहमति

मनेंद्रगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र में जारी अवैध कारोबारों की खबर पर पत्रकारों को धमकी मिलती है और अवैध कारोबारी पत्रकारों को चेतावनी भी देते हैं,अब इस सब के पीछे किस पुलिसकर्मी का सह है यह तो थाना प्रभारी जाने लेकिन जिस तरह पत्रकारों को धमकियां मिल रहीं हैं उससे स्पष्ट है कि पुलिस कर्मियों में से किसी न किसी का सह मामले में जरूर है। पत्रकारों की अवैध कारोबार को लेकर प्रकाशित की गई खबरों पर खुद थाना प्रभारी भी पत्रकारों की क्लास लेते हैं और डराते धमकाते है जिसका उदाहरण अभी हाल में ही तब देखने को मिला जब अवैध शराब पड़के जाने मामले में पत्रकारों ने आबकारी विभाग का भी पक्ष प्रकाशित किया जो खुद भी शराब पकड़ने की बात कह रहा था और तब थाना प्रभारी ने पत्रकारों को आबकारी विभाग से सवाल करने तक को कहा था और कहा था कि जाकर आबकारी विभाग से पत्रकार यह पूछें कि आबकारी विभाग कब कब शराब मामले में कार्यवाही किया है और कहां कहां।

क्या अवैध कारोबार को सह देने के इनाम बतौर मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी लेंगे पदोन्नति

मनेंदगढ़ थाना प्रभारी का मनेंद्रगढ़ पुलिस थाने में पूरा कार्यकाल अवैध कारोबार को सह देने वाला रहा,अब देखना यह है कि जो थाना प्रभारी अपने थाना प्रभारी कार्यकाल में एकबार भी अवैध कारोबार मुक्त मनेंद्रगढ़ नहीं बना सका कयय उसे इसलिए पदोन्नति मिलेगी क्योंकि अवैध कारोबार न रोक पाने में उसे महारत हासिल है।

बिजली के नाम पर जनता का पैसा लूट अन्य राज्य के चुनाव मे बहा रहे सीएम बघेलःमनोज

- भाजयुमो ने किया बिजली विभाग का घेराव, बिजली बील मे हो रही बेतहाशा वृद्धि को कम करने के विरोध पर घेराव

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर/सोनहत 26 नवम्बर 2022(घटती-घटना)

भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश संगठन के आह्वान व जिला संगठन के निर्देश तथा भाजपा मण्डल अध्यक्ष ईश्वर राजवाड़े, भाजयुमो मण्डल अध्यक्ष मनोज साहू के नेतृत्व में बिजली बिल मे बेतहाशा वृद्धि के विरोध में व बिजली बिल कम करने की मांग को लेकर सोनहत में भाजयुमो के कार्यकताओं ने आम सभा कर सोनहत बिजली विभाग का घेराव तथा ज्ञापन सौंपा ज्लद समस्या को दुसर करने की मांग किया। इस दौरान हुए मनोज साहू ने कहा कि भूपेश सरकार लगातार छत्तीसगढ़ के आम जनता से झूठ बोलने व ठगने का काम किया है प्रदेश में विकास कार्य ठप है, इस सरकार में भष्ट्राचार, लूट पाट हत्या डैकेती इत्यादि का बोलबाला है आम जाता भूपेश सरकार से त्रस्त है,बिजली बील के नाम पर सरकार जनता को लूटने का काम कर रही है बेतहाशा बिजली बील की बढ़ौतरी से आम जनता का जीना दुर्भर हो गया है, जिस मकान में मिटर नहीं है वहां बिजली बील भेजा जा रहा, लोगों के घरों में बिजली की व्यवस्था नहीं है लेकिन राशि वसूली जा रही, जिस घर में एक दो ब्लफ जलाया जा रहा उस घर में हजारों रुपये का बीजली बील आ रहा, छत्तीसगढ़ के बीजली बील से लूट का पैसा भूपेश बघेल अन्य राज्य के चुनाव में लूटा रहे,मंच का संचालन मण्डल महामंत्री केपी सिंह ने किया। इस अवसर पर भाजपा एसटी मोर्चा जिला महामत्री राम प्रताप मरावी, एसटी मोर्चा जिला कोषाध्यक्ष लाल मन नेताम, एसटी मोर्चा मंडल अध्यक्ष समय लाल ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्रकाश राजवाड़े , युवा मोर्चा मण्डल उपाध्यक्ष सुरेश राजवाड़े राजू साहू महामंत्री रमेश तिवारी टिकेश्वर राजवाड़े मंत्री नीरज पटेल दिलीप राजवाड़े रामू राजवाड़े जी बाल कृष्ण देवांगन, आशीष जायसवाल राजेश राजवाड़े राकेश राजवाड़े अनिल जायसवाल, बुधराम सोनपाकर, मुकेश राजवाड़े उमा राजवाड़े रज्जू गुप्ता, महेंद्र राजवाड़े, सैलेंद्र राजवाड़े, विदेश राजवाड़े, भूपेंद्र राजवाड़े, जय प्रकाश राजवाड़े, बलवीर सिंह, अनिल दीना नाथ राजवाड़े, अनुज राजवाड़े, दिलीप साहू, लाला एवम अन्य कार्यकर्तागढ़ उपस्थित थे।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने वर्चुअल के माध्यम से जेंडर संसाधन केंद्र लखनपुर का किया शुभारंभ जनपद अध्यक्ष,उपाध्यक्ष रहे मौजूद

- संवाददाता -
लखनपुर , 26 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

लखनपुर विकासखंड के ग्राम केवरा में 25 नवंबर दिन शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने वर्चुअल के माध्यम से जेंडर संसाधन केंद्र का शुभारंभ किया। सरगुजा जिला संरक्षण अधिकारी सुलेखा कश्यप जिला कार्यक्रम प्रबंधक बिहान योजना के तत्वधान में संगवारी जेंडर संसाधन केंद्र का लोकार्पण कार्यक्रम रखा गया था। जहां अतिथि रूप में जनपद अध्यक्ष श्रीमती मोनिका सिंह पैकरा जनपद उपाध्यक्ष अमित सिंहदेव मौजूद रहे ।अतिथियों का फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया। महिलाओं से जुड़े महिला उत्पीड़न ,लिंग आधारित भेदभाव, मानसिक एवं शारीरिक हिंसा तथा उससे संबंधित विभिन्न प्रकार की समस्याओं के समाधान एवं महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ाने तथा उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु जेंडर संसाधन केंद्र का शुभारंभ किया गया है। जेंडर संसाधन केंद्र का उद्देश्य प्रशिक्षित परामर्श सखी के द्वारा महिला हिंसा संबंधित परामर्श उपलब्ध करवाना, प्रशिक्षित कानूनी सखी के माध्यम से न्यायिक परामर्श उपलब्ध करवाना, महिला हिंसा के प्रकरण में महिलाओं को जिला न्यायिक सेवा प्राधिकरण से संबंध करवाना महिलाओं के खिलाफ हिंसा रोकने के लिए महिलाओं में जागृति हैं। लोकार्पण कार्यक्रम में महिलाओं के मनोरंजन हेतु मटका फोड़ चम्मच दौड़ कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जहां समूह की महिलाओं ने इस प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस विषय पर विस्तार से चर्चा किया गया। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी वेद प्रकाश पांडे कार्यक्रम अधिकारी अभिषेक मिंज, ह्रस्रूबिहान विभाग के जिला अधिकारी देवेंद्र पटेल, अभिषेक पटेल, प्रधान संस्था के सदस्य जनपद के अधिकारी कर्मचारी एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाएं मौजूद रहे।

संभाग स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक प्रतियोगिता में जिले के 322 खिलाड़ी दिखाएंगे हुनर

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 26 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन व जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप के नेतृत्व में 24 नवम्बर से 26 नवम्बर 2022 तक पीजी कॉलेज मैदान में जिला स्तरीय छत्तीसगढिया ओलंपिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में लगभग 2200 खिलाड़ियों ने 14 विधाओ में दमखम दिखाने के बाद करीब 322 का चयन संभाग स्तरीय प्रतियोगिया के लिए हुआ है। प्रतियोगिता के अंतिम दिन जिला पंचायत सदस्य श्रीमती राधा रवि, अपर कलेक्टर श्री एएल ध्रुव एवं अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रस्सा कस्सी पुरुष 18 वर्ष से कम उम्र में सीतापुर विजेता, महिला में उदयपुर विजेता, 18 से 40 वर्ष पुरुष वर्ग में विजेता अम्बिकापुर, महिला वर्ग में विनीत सीतापुर, 40 वर्ष से अधिक महिला वर्ग में विनीत सीतापुर, लंगड़ी दौड़ 18 वर्ष से कम बालक एवं बालिका का विजेता उदयपुर, 18 वर्ष से अधिक पुरुष एवं महिला वर्ग में विजेता सीतापुर, कंचा बांटी 18 वर्ष से कम उम्र बालक विजेता उदयपुर, बालिका विजेता बतौली, 18 वर्ष से अधिक पुरुष विजेता सीतापुर एवं महिला वर्ग में विजेता अम्बिकापुर, सांखली में 18 वर्ष से कम उम्र बालक एवं बालिका विजेता उदयपुर, 18 वर्ष से अधिक पुरुष एवं महिला विजेता उदयपुर, गिल्ली-डंडा में 18 वर्ष से कम बालक विजेता मैनपाट एवं बालिका विजेता उदयपुर, 18 वर्ष से अधिक पुरुष एवं महिला विजेता सीतापुर, खो-खो 18 से कम उम्र बालक एवं बालिका विजेता लुण्ड्रा, 18 वर्ष से अधिक पुरुष एवं महिला विजेता उदयपुर, भौंरा 18 से कम उम्र बालक एवं बालिका विजेता सीतापुर, 18 वर्ष से अधिक पुरुष विजेता अम्बिकापुर एवं महिला विजेता सीतापुर, फुगड़ी 18 से कम उम्र बालक विजेता अम्बिकापुर एवं महिला विजेता सीतापुर, 18 वर्ष से अधिक पुरुष विजेता उदयपुर, बिल्लस 18 वर्ष से कम बालक विजेता उदयपुर एवं महिला विजेता सीतापुर, 18 वर्ष से अधिक पुरुष विजेता उदयपुर, 40 वर्ष से अधिक विजेता सीतापुर, 100 मीटर दौड़ 18 वर्ष से कम बालक विजेता अम्बिकापुर एवं बालिका विजेता लखनपुर, 18 वर्ष से अधिक पुरुष विजेता लुण्ड्रा एवं महिला विजेता उदयपुर, लम्बीकूद 18 वर्ष से के उम्र बालक विजेता उदयपुर एवं बालिका विजेता सीतापुर, 18 वर्ष से अधिक पुरुष विजेता उदयपुर एवं महिला विजेता मैनपाट, गेड़ीदौड 18 वर्ष से कम विजेता उदयपर, 18 वर्ष से अधिक विजेता मैनपाट, पिट्ठुल 18 क्रश से कम उम्र बालक विजेता उदयपुर एवं बालिका विजेता सीतापुर, 18 वर्ष से अधिक पुरुष विजेता सीतापुर एवं महिला विजेता उदयपुर रहा

अगले सप्ताह होने वाले संभाग स्तरीय छत्तीसगढिया ओलंपिक खेल प्रतियोगिता में उपरोक्त पारंपरिक खेलों में संभाग के जिलों के प्रतिभागी हुनर दिखाएंगे।0--

CMYK

मनेंद्रगढ़ में हर होटलों में परोसी जा रही है शराब,सभी जगह शराब बंदी होगी तो हम भी लागू करेंगे शराब बंदी:कांग्रेस नेत्री

- रवि सिंह -
एमसीबी/चिरमिरी 26 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)

नवीन जिला एमसीबी के जिला मुख्यालय में ज्यादातर होटलों व ढाबों में खुलेआम शराब परोसी जाती है और जिसकी खबरें लगातार मीडिया में प्रकाशित भी होती रहीं हैं और जिस पर आबकारी विभाग और पुलिस विभाग पूरी तरह मौन बना रहा है इस मामले में अब एक नया बयान सामने आया है,बयान महिला ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष का है उन्होंने स्वयं स्वीकार किया है कि मनेंद्रगढ़ में हर होटलों में शराब परोसी जा रही है और उनका यह कहना साबित कर रहा है कि मनेंद्रगढ़ में शराब का अवैध कारोबार किस तरह अपनी जड़ें जमा चुका है कि हर किसी को मालूम है कि होटलों में शराब परोसी जा रही है।

महिला नेत्री सत्ताधारी दल की हैं और महत्वपूर्ण पद पर हैं और उनका शराब मामले में बयान आना कहीं न कहीं आबकारी विभाग और पुलिस विभाग की पोल खोलने जैसा है जो अवैध शराब मामले में अंकुश लगा पाने में असमर्थ है और कहीं न कहीं सबकुछ जानकर भी वह अनजान है। मनेंद्रगढ़ शहर मध्यप्रदेश राज्य की सीमा के बिल्कुल करीब है और मध्यप्रदेश के ही कुछ शराब दुकानों से जो मनेंद्रगढ़ से बहोत ही कम दूरी पर स्थित हैं शराब मनेंद्रगढ़ लाया जाता है और होटलों व ढाबों में दिया जाता है जिसे होटल व ढाबा मालिक मदिरा प्रेमियों को परोसते हैं और अपनी जेबें गर्म करते हैं। सत्ताधारी दल की नेत्री ने शराब बंदी को लेकर भी

अपना बयान दिया है और कहा है कि जब सभी जगह शराब बंदी हो जाएगी तब यहां भी बंदी होगी ,कुलमिलाकर महिला नेत्री की एक तरह से इसे स्वीकारोक्ति मानी जानी चाहिए जिसमें वह भी यह जानती हैं कि सबकुक सभी के नजरों के बीच हो रहा है और कोई भी शराब के अवैध कारोबार मामले से अनभिज्ञ नहीं है।

- ब्लॉक कांग्रेस महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष मनेंद्रगढ़ के बयान से मनेंद्रगढ़ में जारी अवैध शराब कारोबार की पोल खुली
- मनेंद्रगढ़ में ज्यादातर होटलों में शराब परोसी जाती है स्वयं स्वीकार कर रहीं हैं कांग्रेस नेत्री
- मीडिया लगातार मनेंद्रगढ़ में शराब के अवैध कारोबार को लेकर प्रकाशित करता रहा है ख़बर
- शराब के अवैध कारोबार की जानकारी जन जन तक लेकिन मनेंद्रगढ़ पुलिस को जानकारी ही नहीं

महिला नेत्री का बयान तब आया जब अवैध शराब किसने पकड़ा इसको लेकर आबकारी और पुलिस का अपना अपना दावा था

महिला नेत्री का बयान भी उस वक्त आया है जब एमसीबी की पुलिस ने शराब के अवैध कारोबारियों पर दो बड़ी कार्यवाहियां की हैं जिसमे से एक कार्यवाही ऐसी भी थी जिसमे अवैध शराब किसने पकड़ा इसको लेकर आबकारी विभाग और पुलिस का अपना ही अपना दावा था और दोनों ही खुद को शराब पकड़ने वाला साबित करने होड़ लगाए हुए थे और जिसको लेकर मनेंद्रगढ़ के थाना प्रभारी ने पत्रकारों को भी यह कहकर खबर को गलत प्रकाशित करने का आरोप लगाया था कि शराब उन्होंने पकड़ी है और शराब आबकारी विभाग कितनी बार पकड़ सका है यह उनसे जाकर पूछना चाहिए, मामले में पत्रकारों ने पूछा पिछौवल से परहेज किया और शांत हो गए लेकिन अब सत्ताधारी दल की महिला नेत्री की स्वीकारोक्ति के बाद एक बात तो तय हो गई कि शराब पकड़ी जरूर गई लेकिन शराब का अवैध कारोबार मनेंद्रगढ़ में पूरे शबाब पर है और हर जबान पर इसकी

चर्चा है।

महिला नेत्री के बयान के बाद क्या थाना प्रभारी का होगा तबादला

मनेंद्रगढ़ में शराब ज्यादातर होटलों में परोसी जाती है यह मीडिया लगातार कहता आ रहा था लेकिन सत्ताधारी दल की महिला नेत्री ने तो यह कहकर मामले में नया खुलासा कर दिया कि मनेंद्रगढ़ में हर होटलों में शराब परोसी जा रही है।

सत्ताधारी दल की महिला नेत्री के बयान के बाद वर्षों से पुलिस थाने में जमे थाना प्रभारी का तबादला क्या अब होगा यह एक बड़ा सवाल है क्योंकि यदि शराब का अवैध कारोबार शहर में जारी है और हर होटल तक इसका व्यवस्याय हो रहा है तो थाना प्रभारी की निष्क्रियता ही इसकी वजह है जो शराब खुलेआम परोसी जा रही है और ऐसे में उन्हें हटाकर अन्य किसी की पदस्थापना कर अवैध शराब पर अंकुश लगाया जा सकता है यह तय है।

पुलिस थाना के बगल के होटलों में भी बिकती है शराब,सूत्र

सूत्रों की माने तो मनेंद्रगढ़ शहर का पुलिस थाना जहाँ स्थित है वहां से महज 200 से 300 मीटर की दूरी पर स्थित होटलों में अवैध रूप से शराब परोसी जाती है। कुछ लोगों का कहना है कि इन होटलों में शराब पीने वालों को शराब पानी और खाने का सामान देकर शराब पीने के लिए बैठाया जाता है और यह खुलेआम होता है।पुलिस थाने के बिल्कुल करीब के होटलों में शराब परोसी जार रही है और पुलिस को इसका ज्ञान नहीं इसको लेकर लोगों की माने तो सबकुक जानते हुए भी पुलिस कुछ नहीं करती और इसका कारण क्या है समझा जा सकता है।

जहां अवैध रूप से शराब परोसी जाती है वहीं हैं कई विद्यालय भी

सूत्रों के अनुसार ही जहाँ शराब अवैध रूप से परोसी जाती है वहीं आसपास कई विद्यालय भी हैं और उसी रास्ते विद्यालय में अध्ययनरत छात्र छात्राएं आना जाना करते हैं और शराब पीकर लोग वहीं झूमते नजर आते हैं। यह क्षेत्र पूरी तरह शहर के बीचों बीच का हृदयस्थल क्षेत्र है और ऐसी जगह पर शराब का खुलेआम परोसा जाना बिल्कुल गलत है ऐसा भी लोगों का मानना है।

क्या महिला नेत्री मानती हैं कि सभी जगह की शराब बंदी के बाद ही यहाँ भी होगी शराब बंदी, इसका आशय क्या?

महिला नेत्री ने अपने बयान में कहा है कि सभी जगह शराब बंदी होगी तभी यहां भी बंदी होगी,महिला नेत्री के इस बयान को लेकर दो तरह के विचार सामने आ रहें हैं पहला या तो उनका इशारा अन्य राज्यों की शराब बंदी को लेकर है या फिर उनका इशारा छत्तीसगढ़ में ही अन्य जगहों पर जारी अवैध शराब के कारोबार को लेकर है और वह यही कहना चाहती हैं कि छत्तीसगढ़ में सभी जगह अवैध शराब का कारोबार बंद होगा तभी मनेंद्रगढ़ में भी बंद होगा,अब वह किस तरफ इशारा कर रहीं हैं वहीं जाने लेकिन अपने बयान में उन्होंने मनेंद्रगढ़ में शराब खुलेआम परोसे जाने की बात स्वीकार कर की जिससे यह भी साबित हो गया मनेंद्रगढ़ शहर में खुलेआम शराब परोसी जा रही है और जिसकी भी नाकामी कही जाए इसपर अंकुश लगाने में कोई भी सक्षम नहीं है।

जिला पंचायत सदस्य की पहल से गांव में बिजली की समस्या का निदान हुआ

- संवाददाता -
कुसमी, 26 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

विकासखंड अंतर्गत सिविलदाग ग्राम में 20 दिन पहले विद्युत ट्रांसफार्मर खराब हो गया था जिससे गांव में बिजली की समस्या से ग्रामीण जुझ रहे थे,वही ग्रामीणों ने विद्युत ट्रांसफार्मर खराब होने की जानकारी अपने क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य हीरामणि निकुंज को दी जिसपर हीरामणि निकुंज ने ग्रामीणों की समस्या को देखते हुये विधुत विभाग से खराब ट्रांसफॉर्मर को बदलने की मांग की जिसपर विभाग ने ग्रामीणों की समस्या का निदान करते हुये नई ट्रांसफॉर्मर लगाया और लोगो की विद्युत समस्या का निदान किया ,वही गांव में बिजली की सुविधा बहाल होने से गांव के लोगो काफी खुश हुये, गांव के लोगो ने जिला पंचायत हीरामणि निकुंज का आभार जताया,ट्रांसफार्मर लगाते समय जिला पंचायत सदस्य हीरामणि निकुंज के साथ सरपंच बसन्ती भगत ,इंद्रदेव निकुंज,देवसाय भगत,राजेन्द्र सहित गांव के लोग उपस्थित रहे।

नगर निगम चिरमिरी की पार्षद बबीता सिंह ने वार्ड के विकास कार्यो को लेकर उपक्षेत्रीय प्रबंधक अरुण सिंह से की मुलाकात

- संवाददाता -
चिरमिरी 26 नवम्बर 2022(घटती-घटना)

नगर निगम चिरमिरी की वार्ड क्रमांक-33 की पार्षद बबीता सिंह चौहान ने वार्ड के विभिन्न विकास कार्यो को लेकर उपक्षेत्रीय प्रबंधक अरुण सिंह चौहान से भेंटकर विकास कार्यो के शीघ्र क्रियान्वयन की अपील की। जिस पर उपक्षेत्रीय प्रबन्धक कुरासिया उपक्षेत्र समूह श्री चौहान ने सामुदायिक विकास के कार्यो को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र कराने हेतु आश्वस्त किया। उपक्षेत्रीय प्रबंधक ने वार्ड पार्षद बबीता सिंह को बताया कि आपकी माँगे जिसमे प्रमुख रूप से बी टाईप में सीसी रोड निर्माण, आवास मरम्मत, पार्क सौंदर्यीकरण एवं छठ घाट की बाउंड्रीवाल आदि कार्यो के टेंडर लग चुके हैं जो जल्द ही प्रारम्भ कराए जायेंगे। सामुदायिक विकास के कार्यो के प्रति उपक्षेत्रीय प्रबंधक के सकारात्मक रवैये के प्रति पार्षद व छत्तीसगढ़ महिला काँग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष बबीता सिंह ने आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर सिविल इंजीनियर श्री प्रसाद उपस्थित थे। वार्ड के विकास हेतु सतत प्रयासरत पार्षद बबीता की पहल से अब सामुदायिक विकास के कार्यो को गति मिलेगी।

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बैकुंठपुर की उदासीनता को लेकर शिक्षक निकालेंगे पदयात्रा

पदोन्नति में हो रहे विलंब को लेकर 28 नवंबर को मनेंद्रगढ़ से बैकुंठपुर के लिए निकलेगी पदयात्रा

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 26 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)

विद्यालय में पढ़ाने की बजाए शिक्षक अब फिर एकबार सड़कों पर नजर आएंगे और अबकी बार वह जिला स्तर पर अपनी पदोन्नति की समस्या को लेकर सड़कों पर उतरेंगे और शासन प्रशासन की नाकामी साबित करेंगे। शिक्षा विभाग में सहायक शिक्षक से प्राथमिक शाला प्रधानपाठक पद पर पदोन्नति होनी है और प्रदेश भर में लगभग हर जिले में पदोन्नति की कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है वहीं अविभाजित कोरिया जिले में अभी तक पदोन्नति नहीं हो सकी है और अभी और समय लगने की उम्मीद है और इसी स आक्रोशित होकर अब शिक्षक पदोन्नति के लिए पदयात्रा निकाल रहें हैं जो मनेंद्रगढ़ से बैकुंठपुर के लिए निकलेगी।

बता दें कि यह पदोन्नति संयुक्त जिले कोरिया व एमसीबी की एकसाथ होने वाली है और इसे कोरिया जिले से ही किया जाना है। पदोन्नति की प्रक्रिया जिले में जारी तो है और इसमें लगभग 800 लोगों के लाभान्वित होने का अनुमान है लेकिन अत्यधिक विलंब के कारण शिक्षकों को सड़कों पर उतरना पड़ रहा है और जो कहीं न कहीं विभागीय उदासीनता का परिचायक है। अविभाजित कोरिया जिले में तीन तीन विधायकों साथ ही राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त विधायकों के होने के बावजूद शिक्षकों को सड़क पर उतरना पड़ रहा है यह भी बड़ा अजीब मामला है। जिले के जनप्रतिनिधियों को जिले के शिक्षकों के हितों से कोई लेना देना नहीं है और जनप्रतिनिधियों को शिक्षकों की समस्याओं को सुनने और उसे जानने का कोई प्रयास करते नहीं देखा जाता है और उसी की परिणीति है कि शिक्षक पदयात्रा के लिए मजबूर हैं। शासन प्रशासन जनप्रतिनिधियों से हार चुके शिक्षक अब आंदोलन को अपना हथियार बनाने जा रहें हैं और वह सोमवार को सड़कों पर नजर आएंगे और शासन के सर्व विकास के दावे की पोल खोलेंगे। शिक्षक नेता पवन दुबे ने इस यात्रा का आगाज किया है और वह इसकी सफलता के लिए अपनी पूरी ताकत लगा रहें हैं। पवन दुबे ने यात्रा का कारण पदोन्नति में विलंब को बताया है और वह विभाग की उदासीनता से दुखी हैं यह भी उनका कहना है। अब देखना है कि शासन प्रशासन शिक्षा विभाग और जनप्रतिनिधि इस पदयात्रा स सिख लेकर अपनी कुम्भकर्णीय निद्रा से जगते हैं या पहले की ही तरह सोए रहते हैं जिससे आंदोलन जैसा रास्ता शिक्षकों को अख्तियार करना पड़ता रहे। जिले की शिक्षा विभाग में जिले के तीनों विधायकों की सुनवाई नहीं होती यह भी एक कारण बताया जाता है की वह शिक्षा विभाग में अपना दबाव नहीं डाल पाते कुलमिलाकर जिले का शिक्षा विभाग जिले के जनप्रतिनिधियों की भी उदासीनता साबित कर रहा है जहां सभी मौन हैं।

- जिलेभर के जनप्रतिनिधियों के लिए भी है यह सोचनीय विषय,आखिर क्यों शिक्षकों को फिर से उतरना पड़ रहा है सड़कों पर
- अविभाजित कोरिया जिले में संयुक्त पदोन्नति हेतु जारी है प्रक्रिया,प्रदेश भर में पदोन्नति हो चुकी कोरिया जिला है पीछे
- अविभाजित कोरिया जिले के तीनों विधायक भी मामले में मौन, बने हुए हैं अनजान
- क्या सड़कों पर शिक्षकों के उतरने को लेकर जनप्रतिनिधियों को नहीं है सूचना
- शासन प्रशासन की नाकामी साबित करने शिक्षकों का यह अनोखा प्रदर्शन अब तय करेगा पदोन्नति का रास्ता

प्रस्तावना भारतीय संविधान की आत्मा है:न्यायाधीश आकांक्षा बेक

- संवाददाता -
रामानुजगंज 26 नवम्बर 2022(घटती घटना)

संविधान दिवस के अवसर पर नवीन महाविद्यालय राजपुर में छात्राओं को संबोधित करते हुए न्यायाधीश सुश्री आकांक्षा बेक ने कहा कि भारतीय संविधान उल्लिखित प्रस्तावना भारत के संविधान की आत्मा है और उसमें उल्लिखित एक-एक शब्द के व्यापक अर्थ है व्यापक मायने हैं हमारा संविधान में उल्लिखित हम भारत के लोग से स्पष्ट है कि देश के सभी नागरिकों द्वारा निर्मित हमारा भारतीय संविधान है जो नागरिकों को कर्तव्यों के पालन के नसीहत के साथ-साथ उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए हर नागरिक को आबद्ध करता है। विधान दिवस पर वरिष्ठ अधिवक्ता के.एन. पांडेय ने कहा कि आजादी के दौरान 1935 में बनाई इंडिया एक्ट भी देश के संविधान के रूप में उस समय था परंतु आजादी के बाद आजाद भारत की नई गाथा लिखी गई और उस दौरान बना हमारा संविधान भारत की आजादी के लिए संघर्षरत महान बलिदानीयों के बलिदानों का ग्रंथ है जिसमें सभी के लिए समान अवसर सबके लिए न्याय की व्यवस्था है,दुनिया भर में भारतीय संविधान के अध्ययन के लिए लोग जुटे हुए हैं आप जितना अधिक हमारे संविधान को जानते हैं उतना ही कम आप हमारे संविधान को जानते हैं क्योंकि संविधान में दी गई व्यवस्थाएं व्यापक तौर पर हैं।अधिवक्ता एच.सी. अग्रवाल ने

कहा की कानूनी अधिकार आम लोगों को दिलाने के लिए संविधान में की गई व्यवस्थाओं का व्यापक नतीजा देश में देखने को मिल रहा है और जिस तरह से संविधान में दिए गए व्यवस्थाओं के अनुरूप हर क्षेत्र में प्रगति हो रही है उससे स्पष्ट है कि हमारे संविधान निर्माताओं ने संविधान को बनाने के पीछे अथक परिश्रम किया है।अधिवक्ता जय गोपालअग्रवाल ने कहा कि संविधान में बताए गए मूल 11 कर्तव्यों को छोड़कर सिर्फ अधिकारों की बात नहीं की जा सकती देश के संविधान में जिन 11 कर्तव्यों के पालन की बात कही है हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि उन सभी कर्तव्यों का पालन करें ताकि देश की उत्तरोत्तर प्रगति हो सके। इस दौरान कार्यक्रम का संचालन करते हुए अधिवक्ता सुनील सिंह ने कहा कि दुनिया भर में हमारा संविधान सबसे बड़ा लिखित संविधान है इस संविधान में 22 भाग 395 अनुच्छेद 12 अनुसूचियां हैं हमारे संविधान में 7 मौलिक अधिकार भी बताए गए हैं अधिकारों के हनन की स्थिति में आम नागरिक भी उच्चतम न्यायालय की शरण ले सकता है।

संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ता उमेश झा,जितेंद्र गुप्ता,अशोक बेक,रामनारायण जयसवाल,वीरेंद्र जायसवाल व अन्य अधिवक्ता गण महाविद्यालय के प्राध्यापक व अन्य स्टाफ भी उपस्थित थे।

बिहार प्रदेश से रायपुर जा रहा चावल से भरा ट्रक रिंग रोड में पलटा,चालक को लगी गंभीर चोट

- पृथ्वीलाल केशरी -
रामानुजगंज 26 नवंबर 2022
(घटती घटना)

बिहार प्रदेश के राजधानी पटना से सीजी 17 केआर 9456 एक ट्रक चावल लेकर रायपुर जा रहा था की रिंग रोड में अंबिकापुर से ट्रक क्रमांक सीजी 07 सीजी 7987 टमाटर लेकर जा रहे झारखंड प्रदेश के गढ़वा जिले को बचाने के चक्कर में ट्रक पलट गया जिसमें चालक को गंभीर चोटें आई है मौके पर उपस्थित जनों ने बीच-बचाव करते हुए उसे रामानुजगंज हॉस्पिटल में इलाज हेतु दाखिला करा दिया गया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार लोड ट्रक चावल तीव्र गति से रिंग रोड क्रास कर रहा था कि टर्निंग के समीप सामने से आ रहे टमाटर लोड ट्रक को बचाने के चक्कर में चावल से लोड ट्रक पलट गया। जिसमें चालक राहुल कुमार 23 वर्ष को गंभीर चोट आई है दाहिना पैर फैक्चर बताया जा रहा है तो वही बाएं हाथ की अनामिका अंगुली में भी चोट आया है जिसे इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है डॉ. कैलाश कैथवर्स ने बताया कि कोई खतरे की बात नहीं है रिकवर होने में कुछ समय लग सकता है। मौके पर पुलिस विभाग से एएसआई टिकेश्वर यादव संतोष सांड्या,रामलगन,मायापती पहुंचकर आईपीसी की धारा 279 के तहत कानूनी कार्रवाई की गई।

बड़ा सवाल जब छत्तीसगढ़ में पर्याप्त चावल तो बिहार से आवक क्यों ?

जब छत्तीसगढ़ प्रदेश में पर्याप्त चावल होने के बावजूद भी बिहार एवं झारखंड प्रदेश से हाइवा ट्रक में चावल लोड कर जाना लोगों को समझ से परे है रिंग रोड में जैसे ही चावल की गाड़ी पलटी वैसे ही देखने वाले का हुजूम उमड़ पड़ा जब लोगों ने पूछा कि ट्रक में क्या लोड है तो परिचालक ने बताया कि ट्रक में चावल लोड है जो बिहार प्रदेश के पटना राजधानी से रायपुर छत्तीसगढ़ जा रहा है बस क्या था लोग आपस में चर्चा करने लगे की हम लोग यहां अभी तो सरकार मुफ्त राशन दे रही है बावजूद इसके अन्य राज्यों से चावल जाना समझ से परे है।

अपर कलेक्टर कटघोरा और जिला पंचायत सीईओ सहित अधिकारी-कर्मचारियों ने पढ़ी संविधान की प्रस्तावना

- संवाददाता -
कोरबा , 26 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

भारतीय संविधान को अंगीकृत करने के दिन 26 नवम्बर को हर साल संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। कलेक्टोरेट परिसर में भी संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर कटघोरा विजेंद्र पाटले,जिला पंचायत सीईओ नूतन कंवर सहित अधिकारी कर्मचारियों ने संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हे नमन किया। साथ ही इस मौके पर उपस्थित कलेक्टर कार्यालय के सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने संविधान की उद्देशिका का पाठन किया। सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने संविधान की मूल भावना के अनुरूप जनहित में काम करने का संकल्प भी लिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर कटघोरा श्री पाटले ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में संविधान निर्माताओं ने सभी वर्गों की भावनाओं और जन अपेक्षाओं को भारतीय संविधान में समाहित किया है। इससे सशक्त राष्ट्र निर्माण करने की नींव मजबूत हुई है। उन्होंने नागरिकों से संविधान की मूल भावना को जीवन में आत्मसात करने की अपील की।

बच्चों और महिलाओं में एनीमिया मुक्ति के लिए एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम पर आधारित कार्यशाला का किया गया आयोजन

- संवाददाता -
कोरबा, 26 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)।

स्वास्थ्य विभाग कोरबा तथा यूनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सभा कक्ष में एनीमिया मुक्त भारत के संबंध में कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एस.एन केसरी ने एनीमिया के कारण,लक्षण एवं बचाव के बारे में तथा शासन द्वारा चलाये जा रहे एनीमिया मुक्त भारत के प्रयासों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। वही उन्होने सभी खण्ड चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि वे अपने विकासखण्ड में एच.बी. परीक्षण सामान, उपभोग सामग्रियां,आई.एफ.ए.(आयरन फोलिक एसिड) टैबलेट स्टॉक की उपलब्धता सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि महिला एवं बाल विकास के द्वारा आंगनबाड़ियों में लक्षित बच्चों गर्भवती महिलाओं और शिशुवती माताओं और किशोरियों को आईएएफ.ए. के अतिरिक्त पोषण आहार दिया जाना सुनिश्चित करें। सीएमएचओ ने शिक्षा विभाग से स्कूलों में प्रदान की जाने वाली एनीमिया के उपचार के लिए दवाइयों का जानकारी लेकर रिपोर्टिंग सही समय पर करने के लिए निर्देशित किए। सीएमएचओ डॉ एस.एन केसरी ने बताया की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा बच्चों,युवाओं,प्रजनन आयु वर्ग के महिलाओं और गर्भवती स्तनपान कराने वाली महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण की जरूरतों पर विशेष ध्यान देने के लिए एनीमिया मुक्त कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। इसके तहत एच.बी.परीक्षण और उपचार आई.एफ.ए.पूरक आहार तथा आयरन युक्त भोजन को बढ़ावा दिया जाना है। इस अभियान में लक्षित लाभार्थी 06 माह से 59 महीने के बच्चे,5 से 9 साल के बच्चे,10 से 19 साल के किशोर,प्रजनन आयु की गर्भवती एवं शिशु वती महिलाएं शामिल है। वही इस बैठक में शिक्षा विभाग,महिला एवं बाल विकास विभाग,उच्च शिक्षा विभाग के प्राचार्य,स्वास्थ्य विभाग से डॉ.सीके सिंह डी.एच.ओ., डॉ. के.के.देवांगन डी.आई.ओ., डॉ.असरफ अंसारी डी.पी.एम., ज्योत्सना ग्वाल सी.पी.एम., डॉ.हर्षा ताम्रकार आर.एम.एन.सी.एच.ए. सहित प्राइवेट स्कूल प्राचार्य,एन.जी.ओ., रोको टोको वॉलेंटीयर,भारत स्काउट गाइड तथा स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

कोरोना काल में की गई आर्थिक गड़बड़ी पर चर्चित जनपद मुख्य कार्यपालन अधिकारी जी.के.मिश्रा को तत्काल प्रभाव से किया गया निलंबित

- संवाददाता -
कोरबा, 26 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)।

कोरबा जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर पदस्थ जी.के. मिश्रा अपने पदस्थापना काल से ही अत्यंत विवादित रहे हैं। जीके मिश्रा इससे पूर्व कोरबा के करतला जनपद में मुख्य कार्यपालन अधिकारी थे। मूलतः विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी और पिछले कई सालों से मुख्य कार्यपालन अधिकारी की कुर्सी संभाल रहे जी.के. मिश्रा को विभाग के उप सचिव ने निलंबित करने का आदेश जारी किया है। पंचायत चुनाव के दौरान जी.के. मिश्रा द्वारा पंचायतों में केवल सचिव के हस्ताक्षर से 15 वें वित्त की राशि निकलने की अनुशंसा कर दी, जबकि पंचायतों के खाते में सरपंच और सचिव दोनों के हस्ताक्षर अनिवार्य हैं। ऐसा करके पंचायतों से लाखों रुपये का आहरण कर बंदरबाट करने का आरोप लगा और इसकी शिकायत रामपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर ने चुनाव आयोग से की थी। जीके मिश्रा पर यह आरोप भी लगा कि उन्होंने जनपद पंचायत करतला के अंतर्गत सी.सी. रोड निर्माण कार्य एवं हाई स्कूल का अहाता निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का अभाव व

गंभीर वित्तीय अनियमितता बरती गई। जीके मिश्रा के खिलाफ की गई शिकायतों की जांच लम्बे समय तक चली और अब जाकर उनका निलंबन आदेश जारी हुआ है। आदेश में उप सचिव एमरेसिया खेस्स ने कहा है कि वर्ष 2019-20 में जीके मिश्रा द्वारा प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत करतला जिला कोरबा के पद पर रहने के दौरान सी.सी. रोड निर्माण कार्य एवं हाई स्कूल का अहाता निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का अभाव व गंभीर वित्तीय अनियमितता बरती गई। जिश्रा का उक्त कृत्य पदीय कर्तव्य के प्रति लापरवाही व गंभीर वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आता है, जो कि छ.ग. सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 के विपरीत होने के फलस्वरूप राज्य शासन एतद द्वारा जी.के. मिश्रा (मूल पद- विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी) (वर्तमान में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कोरबा जिला-कोरबा) को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम-9 के तहत् तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। निलंबन अवधि में मिश्रा का मुख्यालय कार्यालय आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास इंद्रावती भवन नया रायपुर निर्धारित किया गया है।

रेंजर मृत्युंजय शर्मा निलंबित, जल्द ही दर्ज होगा एफआईआर

- राजा मुखर्जी -
कोरबा 26 नवंबर 2022
(घटती घटना)

कटघोरा वनमण्डल अंतर्गत हुए ग्रीन इंडिया मिशन योजना मामले में हुए घोटाले में बड़ी कार्यवाही करते हुए प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने रेंजर मृत्युंजय शर्मा को निलंबित कर दिया है। बता दें कि रेंजर मृत्युंजय शर्मा द्वारा पाली में ग्रीन इंडिया मिशन योजना में 1 करोड़ 38 लाख रुपए का घोटाला किया गया था, घोटाले को लेकर एक बड़ी कार्यवाही देखने को मिल रही है। बताया गया है की भ्रष्ट रेंजर मृत्युंजय शर्मा से रकम की वसूली भी जल्द की जाएगी साथ ही उनके ऊपर जल्द ही एफआईआर दर्ज किया जायेगा।

पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने रक्षित केंद्र कोरबा में आयोजित जनरल परेड का किया निरीक्षण,कहा परेड अनुशासन की जड़ है,इसे नियमित करना चाहिए

- संवाददाता -
कोरबा, 26 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह ने पुलिस लाइन में आयोजित परेड में परेड अनुशासन की जड़ है , इसे नियमित रूप से करवाया जाए के तर्ज़ परपरेड ग्राउंड में परेड का किया निरक्षण इस दौरान उन्होंने कहा के पुलिस विभाग एक अनुशासित विभाग है, जहां का कार्य अनुशासन पर ही चलता है। इसमें कमांड व कंट्रोल का महत्व बहुत होता है। विशेषकर विपरीत लॉ एंड ऑर्डर में और भी आवश्यक हो जाता है । परेड जवानों और अधिकारियों को शारीरिक मजबूती के साथ मानसिक दृढ़ता सिखलाती है।आयोजित परेड में पुलिस अधीक्षक द्वारा विभिन्न प्लाटून की स्क्राड वाइज कवायद करवाई गई और सलामी मंच से सलामी ली गई। इसी बीच अधिकारी और कर्मचारियों की वर्दी- हथियार का भी निरीक्षण किया गया और साफ सुथरा और अच्छा वर्दी धारण वाले जवानों का नाम पुरस्कार हेतु आरआई को नोट कराया। जो अच्छी वर्दी में नहीं थे, उनको डांट भी लगाई।जब पुलिस के डॉग ने प्रॉपर सलामी दी तो, पुलिस अधीक्षक के चेहरे पर मुस्कुराहट दौड़ गई। यातायात के जवानों को मुस्तैदी से काम करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए उनको यातायात संकेतों का सड़क पर यातायात सुगम बनाने हेतु भली-भांति प्रयोग करने पर जोर दिया। परेड में विभिन्न थाना के थाना प्रभारी सहित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, सीएसपी रॉबिंसन गुरिया, एसडीओपी कटघोरा ईश्वर त्रिवेदी सहित अन्य राजपत्रित अधिकारी उपस्थित रहे। परेड का संचालन आर.आई अनथ पैकरा और सूबेदार भुवनेश्वर कश्यप द्वारा किया गया।

निजात अभियान के अंतर्गत पु.स.केंद्र मानिकपुर क्षेत्र के डी ए व्ही स्कूल में चलाया गया जागरूकता कार्यक्रम

- संवाददाता -
कोरबा, 26 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह द्वारा अवैध नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे निजात अभियान के तहत डी ए व्ही स्कूल मानिकपुर के विद्यार्थियों एवं स्कूल स्टाफ को हमर बेटी हमर मान, अभिव्यक्ति ऐप साइबर क्राइम गुड टच बैड टच, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम,(POCSO) के बारे में विस्तृत जानकारी देकर नाबालिग बच्चों को गाड़ी न चलाने देने के संबंध में जानकारी देकर जागरूक किया गया। डी ए व्ही स्कूल के विद्यार्थियों एवं स्कूल स्टाफ को नशे से होने वाले नुकसान के बारे में बताकर नशे से दूर रहने व बुराइयों से बचने की दी गई सलाह।

डॉ संजय अलंग साहित्य के 'सूत्र सम्मान' से होंगे सम्मानित

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 26 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

लोक कवि ठाकुर पूरन सिंह की स्मृति में दिए जाने वाले साहित्य के ÷सूत्र सम्मान÷ से इस वर्ष, कवि, लेखक, इतिहासकार डॉ संजय अलंग को सम्मानित करने का निर्णय निर्णायक समिति द्वारा लिया गया है। यह पुरस्कार विगत 25 वर्षों से लगातार दिया जा रहा है और संजय अलंग को दिया जाने वाला पुरस्कार 26 वें वर्ष का है। यह साहित्य का प्रतिष्ठित पुरस्कार है।

सम्मान घोषणा के साथ संजय अलंग की साहित्य में निरंतर सक्रियता को रेखांकित करते हुए कहा गया कि उनकी कविताएँ मिट्टी और जीवन से उर्वर हुई कविताएँ हैं। कविता संग्रह 'नदी उसी तरह सुन्दर थी जैसे कोई बाघ' में कविताओं ने जीवन का आख्यान रचा। वे सहज भी हैं। यह भी कहा कि संजय अलंग ने छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और इतिहास पर लगातार और महत्वपूर्ण कार्य किया।

ज्ञातव्य है कि डॉ संजय अलंग के तीन कविता संग्रह शव, पगडंडी छिप गई थी (यह संग्रह छत्तीसगढ़ पर एकाग्र है) और नदी उसी तरह सुन्दर थी जैसे कोई बाघ प्रकाशित हो चुकी है। उन्हें कविता के दिनकर सम्मान, श्रीकांत वर्मा सम्मान आदि सहित कई सम्मान मिल चुके हैं।

डॉ संजय अलंग एक आई.ए.एस. अधिकारी भी हैं और वर्तमान में बिलासपुर व सरगुजा संभाग के कमिश्नर हैं।

जिले के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में रोजाना लगेंगे टीके:डॉ एस.एन केसरी (सीएमएचओ)

- संवाददाता -
कोरबा, 26 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)।

शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर) में प्रतिदिन टीके लगाए जायेंगे। सीएमएचओ डॉ. एस एन केशरी ने स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण कर शहरी अस्पतालों में प्रतिदिन टीकाकरण होने की सूचना बोर्ड लगाने के निर्देश दिए हैं।

इसी तारतम्य में सीएमएचओ ने शहरी प्राथ.स्वास्थ्य केन्द्रों (हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर) गोपालपुर, ढोढ़ीपारा, कोरबा तथा कटाईनार का निरीक्षण किया । उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्रों में दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। अस्पताल में उपस्थिति पंजीयन , ओ.पी.डी., डिलवरी कक्ष, फार्मेसी, वार्ड, पैथोलॉजी तथा कोल्ड चैन प्वाइंट का अवलोकन किया । सीएमएचओ ने निरीक्षण के दौरान अस्पताल में कर्मचारियों की समय पर उपस्थिती, अस्पताल तथा अस्पताल परिसर में साफ-सफाई, दवाइयों की उपलब्धता , उपकरण की क्रियाशीलता तथा रखरखाव के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान प्रभारी चिकित्सकों को को निर्देशित किया कि अस्पतालों की व्यवस्था अधिक मजबूत बनाये ढू शहरी प्रा.स्वा.केन्द्रों में प्रतिदिन बच्चों/गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण किया जावे.एवं पाई गई कमियों का तत्काल दूर करें,तथा स्वास्थ्य केन्द्रो में आने वाले प्रत्येक मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता हो।, जिससे अस्पताल आने वाले मरीजों का बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सके और मरीज तथा तीमारदारों को किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो। सीएमएचओ ने अस्पताल प्रभारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शहरी अस्पतालो में सूचना बोर्ड लगाएं कि प्रा.स्वा.केन्द्र में प्रतिदिन गर्भवती महिलाओं तथा बच्चों को टीका लगाया जाता है। सीएमएचओ डॉ. केसरी ने बताया कि जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में कोल्ड चेन स्थापित है, वहां प्रतिदिन गर्भवती महिलाओं तथा बच्चों के टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध है।

न्यायालय तहसीलदार लटोरी तहसील लटोरी जिला सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 202211262100016 /अ-21/2022-23

सर्व साधारण ग्रामवासी निवासी ग्राम रविन्द्रनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री रंजीत दास आ0 रवि दास कायस्थ निवासी ग्राम रविन्द्रनगर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर ने अपने खाते की पुर्नवास विभाग से प्राप्त भूमि स्वामि हक की भूमि ग्राम रविन्द्रनगर तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा नंबर 321/7 रकबा 0.16 हे0 भूमि में से 12 डिसमिल भूमि को अनावेदक क्रेता श्री शुभम लश्कर आ0 तपन लश्कर निवासी ग्राम संजयनगर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर के पास 4,80,000/- रूपये (चार लाख अस्सी हजार रू0) में विक्री करने हेतु तय हुआ है। जिसमें 2,80,000/- रूपये अग्रिम राशि प्राप्त कर लिया गया है। आवेदित भूमि पुर्नवास विभाग से पट्टे पर प्राप्त भूमि है उक्त भूमि को विक्रय करने हेतु अनुमति बावत् आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय सूरजपुर को प्रस्तुत की है जो जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 07/12/2022 को उपस्थित हो कर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। इस तिथि के बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/11/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

सील

तहसीलदार लटोरी
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

CMYK

तीसरी राष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट चैम्पियनशिप में 16 टीमें लेगी भाग

उदयपुर ,26 नवंबर 2022। राजस्थान के उदयपुर में 27 नवम्बर से प्रारंभ हो रही तृतीय राष्ट्रीय व्हीलचेयरर क्रिकेट चौम्पियनशिप-2022 में देश के विभिन्न राज्यों की 16 टीमों के 300 से अधिक व्हीलचेयर खिलाड़ी भाग लेगें।

दिव्यांगों की सेवा-पुनर्वास में 38 साल से जुटी नारायण सेवा संस्थान , उदयपुर, डिफरेन्टली एबल्ड क्रिकेट कौंसिल ऑफ इण्डिया एवं व्हीलचेयर क्रिकेट इण्डिया एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान एवं राजस्थान रॉयल के समर्थन से इस सात दिवसीय चौम्पियनशिप का आयोजन होगा।

नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने आज यहां बताया कि इस व्हीलचेयर क्रिकेट चौम्पियनशिप में राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बड़ौदा, गुजरात, मुम्बई, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना की कुल 16 टीमों के तीन सौ से अधिक अधिक व्हीलचेयर खिलाड़ी भाग ले रहे है। उन्होंने बताया कि चौम्पियनशिप की सफलता और व्यवस्था में 100 से ज्यादा खेल अधिकारी भी आ रहे हैं। इन सबके लिए संस्थान ने 80-90 कार्यकर्ताओं की टीम का गठन किया है।

उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय खेल कुंभ का उद्घाटन समारोह सूरजपोल रोड स्थित राजस्थान कृषि महाविद्यालय (आरसीए) के ग्राउण्ड में रखा गया है। समारोह के दिन 10-10 ऑवर का मैच खेला जाएगा। खेल स्पर्धा को देखने वाले लोग, दिव्यांग खिलाड़ियों के जोश-हौसले का आनन्द उठाने के साथ चकित भी होंगे। व्हीलचेयर पर बैटिंग-बोलिंग और फिल्डिंग करना कई लोगों के लिए बिल्कुल नया और पहला अवसर होगा। राणा प्रतापनगर रेल्वे ग्राउण्ड एवं डबोक स्थित नारायण पैरा स्पोर्ट्स एकेडमी ग्राउण्ड पर भी लीग मैच

होंगे।

श्री अग्रवाल ने बताया कि चौम्पियनशिप के उद्घाटन समारोह में राज्य आयुक्त विशेष योग्यजन उमाशंकर शर्मा, राजस्थान राज्य खेल परिषद के सचिव, अधिकारी सहित पैरालिम्पिक में स्वर्ण पदक विजेता एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्लेयर व मंत्रीगण इन दिव्यांग खिलाड़ियों का हौसला अफजाई करेंगे।

गौरतलब है कि नारायण सेवा संस्थान दिव्यांगों को खेल जगत में मुकाम दिलाने के लिए दो बार नेशनल पैरा स्वीमिंग का आयोजन क्रमशः 2017 एवं 2022 में कर चुका है तथा एक बार नेशनल ब्लाइंड क्रिकेट प्रतियोगिता करवा चुका है। जिसमें भी विभिन्न राज्यों के सैकड़ों दिव्यांगों ने अपना दमखम दिखाकर लोगों के दिल जीत लिए थे।

डीसीसीआई के संयुक्त सचिव अभय प्रताप सिंह ने बताया कि व्यवस्थित और निर्धारित कार्यक्रमानुसार आयोजन सम्पन्न कराने के लिए संस्थान के साथ विभिन्न कमेटियां गठित की गई हैं। उन्होंने बताया कि व्हीलचेयर क्रिकेट प्रतियोगिता में 24 लीग, दो सेमीफाइनल सहित 27 मैच होंगे। 16 टीमों चार ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप (ए) मध्य प्रदेश, बड़ौदा, हरियाणा, कर्नाटक, ग्रुप (बी) राजस्थान, गुजरात, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, ग्रुप (सी) उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना

ग्रुप (डी) पंजाब, छत्तीसगढ़, मुम्बई, दिल्ली शामिल है।

श्री सिंह ने बताया कि विश्व दिव्यांगता दिवस पर तीन दिसम्बर को प्रतियोगिता का फाइनल मैच के साथ समापन समारोह आयोजित किया जायेगा। प्रतियोगिता में विजेता टीम को 2.50 लाख, उपविजेता टीम को डेढ लाख रूपए एवं दोनों सेमीफाइनल की उप-विजेता टीमों को 50-50 हजार रूपये नकद का पुरस्कार दिया जाएगा।

इस अवसर पर भारतीय व्हीलचेयर क्रिकेट टीम के कप्तान सोमजीत सिंह बताया कि दिव्यांगों के क्रिकेट के नियम दो बदलावों के साथ सामान्य ही हैं। इसमें पिच 20 यार्ड का और बाउंड्री 40-45 मीटर की होती है। जबकि संकलांग क्रिकेट में पिच 22 यार्ड का और बाउन्ड्री 60 मीटर की होती है।

उन्होंने बताया कि नारायण सेवा संस्थान के सहयोग से दो साल बाद हो रही नेशनल व्हीलचेयर क्रिकेट प्रतियोगिता सामान्य क्रिकेट की तरह ही रोमांचक होगीं। इसमें भी खिलाड़ियों के बल्ले से चौके-छक्कों की बारिश देखने को मिलेगी। बॉलर भी कलात्मक गेंदबाजी से खिलाड़ियों को दिखायेंगे पेविलियन का रास्ता। व्हील चेयर पर क्रिकेट्र्स रन बटोरेंगे और फिल्डिंग भी करेंगे।

टूर्नामेंट में बने रहने के लिए जर्मनी के लिए अहम है स्पेन को हराना

दोहा ,26 नवंबर 2022। अप्रैल में जब विश्वकप के ड्रा डाले गए थे तो सभी की निगाहें अल बायत स्टेडियम में जर्मनी और स्पेन के बीच होने वाले मुकाबले पर टिकी थी। इन दो पूर्व विश्व चैंपियन के बीच होने वाला यह मुकाबला आठ महीने बाद और अधिक महत्वपूर्ण बन गया है। इन दोनों को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन जर्मनी पहले मैच में जापान से हार के कारण बाहर होने के कगार पर खड़ा है। उसे अपनी उम्मीदें जीवंत रखने के लिए रविवार को स्पेन पर हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी।

स्पेन से हारने पर जर्मनी को लगातार दूसरे विश्वकप में पहले दौर में ही बोरिया बिस्तर समेटना पड़ सकता है। जर्मनी की हार तथा जापान और कोस्टारिका के बीच मैच कम से कम ड्रॉ होने पर चार बार का चैंपियन बाहर हो जाएगा। दूसरी तरफ स्पेन नॉकआउट में अपनी जगह सुरक्षित करना चाहेगा। उसने अपने पहले मैच में कोस्टारिका को 7-0 से हराया था। जर्मनी के लिए संकेत उत्साहजनक

नहीं है। उसने स्पेन के खिलाफ जो आखिरी मैच दो साल पहले नेशंस लीग में खेला था उसमें उसे 6-0 से हार का सामना करना पड़ा था। जर्मनी ने अपना चौथा विश्वकप खिताब 2014 में ब्राजील में जीता था लेकिन 2018 में वह ग्रुप चरण से ही बाहर हो गया था।

अगर इस बार भी चार साल पहले की कहानी दोहराई जाती है तो यह पहला अवसर होगा जबकि जर्मनी लगातार दो विश्व कप में नॉकआउट में जगह नहीं बनाएगा।

स्पेन ने 2010 में दक्षिण अफ्रीका में खेले गए विश्वकप में अपना आखिरी खिताब जीता था जबकि 2018 में वह अंतिम 16 से आगे नहीं बढ़ पाया था। यदि स्पेन जर्मनी को हरा देता है और उधर कोस्टारिका जापान को नहीं हरा पाता है तो फिर वह अंतिम 16 में पहुंच जाएगा।

कोस्टारिका पर बड़ी जीत के बाद स्पेन की टीम जर्मनी के खिलाफ बढ़े मनोबल के साथ मैदान पर उतरेगी। स्पेन के कोच लुइस एनरिक ने कहा कि पिछले मैच के परिणाम से हमारा काफी मनोबल बढ़ा है लेकिन अब हमारा सामना जर्मनी से है जिसे जीत की सख्त दरकार है। जर्मनी के विंगर लेरॉय साने इस मैच में वापसी कर सकते हैं। वह घुटने की चोट के कारण पिछले मैच में नहीं खेले थे। विश्व फुटबॉल की इन दो दिग्गज टीमों के बीच विश्वकप में पांचवां मुकाबला होगा। इन दोनों के बीच विश्वकप में आखिरी मैच 2010 में सेमीफाइनल में खेला गया था जिसे स्पेन ने 1-0 से जीता था।

पावरप्ले में खेल का तरीका बदलने से भारत को हो सकती है सीरीज में वापसी की उम्मीद

हैमिल्टन,26 नवंबर 2022। भारतीय टीम जब रविवार को यहां 'करो या मरो' के दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड से भिड़ेगी तो उम्मीद करेगी कि कप्तान शिखर धवन और युवा शुभमन गिल 'पावरप्ले' ओवरों में बेहतर रवैया अपनायें। सेडोन पार्क तीनों ओर से खुला मैदान है लेकिन न्यूजीलैंड में बल्लेबाजों के लिये सबसे मददगार मैदानों में से एक के रूप में मशहूर है जिसमें बल्लेबाजों को अपने शॉट के लिये उचित रन मिलेंगे। पहले वनडे में धवन (77 गेंद में 72 रन) और गिल (65 गेंद में 50 रन) ने पहले विकेट के लिये 123 रन की भागीदारी निभायी थी लेकिन ईडन पार्क जैसे छोटे मैदान पर सात विकेट पर 306 रन का स्कोर कम से कम 40 रन से कम रहा।

गेंदबाजों ने महज 47 ओवर में ये रन गंवा दिये जिससे जिम्मेदारी मुख्य बल्लेबाजों पर ही आ जाती है क्योंकि अगर वाशिंगटन सुंदर ने शानदार योगदान नहीं दिया होता तो भारत 300 रन के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाता। यह काफी हद तक पहले 10 पावरप्ले ओवरों में भारतीय सलामी बल्लेबाजों के सतर्कता भरे दृष्टिकोण की बदौलत ही हुआ जिसमें जरूरत के मुताबिक रन नहीं बने। मोईन अली ने हाल में एक साक्षात्कार में कहा था कि जो टीमें पहले सफेद गेंद के क्रिकेट में आस्ट्रेलिया के तरीके को अपनाती थीं अब वे इंग्लैंड की ओर देखने लगी हैं जिसने हाल के दिनों में इस प्रारूप में शानदार प्रदर्शन किया है। भारतीय टीम इसी में पिछड़ रही है और ऑकलैंड में टीम पहले पावरप्ले ओवर में केवल 40 रन ही बना सकी।

एक और आंकड़े से भारतीय शीर्ष क्रम बल्लेबाजों के सीमित ओवर के प्रारूप में रवैये का पता चलता है (इसमें सिर्फ रोहित शर्मा, केएल राहुल या विराट कोहली ही शामिल नहीं हैं)। धवन ने 77 गेंद में 72 रन बनाये जिसमें 13 चौके जड़े थे। जिससे उन्होंने 13 गेंदों में चौकों से 52 रन जोड़े। जबकि बचे हुए 20 रन के लिये उन्होंने 64 गेंद खेली और इसमें से 44 'डॉट' गेंद रहीं क्योंकि वह पावरप्ले में रन नहीं बना पा रहे थे। जहां कप्तान एक ओर जूझ रहा था, वहीं गिल ने एक और अर्धशतक जड़कर अपने कुल औसत को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया लेकिन उनकी पारी की रफ्तार भी बहस का विषय है। उन्होंने 65 गेंद में 50 रन बनाये जिसमें तीन छक्के और एक चौका जड़ा था। मतलब चार गेंद में 22 रन बने। उन्होंने बाकी के 28 रन 61 गेंद खेलकर बनाये।

पारी की नींव तैयार करने और तेजी से रन जुटाने का काम अंत की ओर छोड़ने के इसी रवैये से भारत ने टी20 विश्व कप गंवा दिया लेकिन हैरानी की बात है कि इस श्रृंखला के लिये वनडे में खिलाड़ियों के बदलने के बावजूद बल्लेबाजी दृष्टिकोण वही पुराना वाला बना हुआ है। पारी का आगाज करने के लिये इतने सारे खिलाड़ी मशक्कत कर रहे हैं तो यह निहायत ही जरूरी है कि खिलाड़ी तेजी से रन जुटाये ताकि 50 ओवर के विश्व कप से तीन या चार महीने पहले नये चयनकर्ता पूल की 20 के करीब छंटनी करें तो रन की संख्या की अनदेखी नहीं की जा सकती। धवन निश्चित रूप से अगले महीने बांग्लादेश में रोहित के साथ पारी का आगाज करेंगे और कोई गारंटी नहीं है कि शुभमन अंतिम एकादश में अपना स्थान बरकरार रख पायेंगे क्योंकि रोहित सलामी बल्लेबाज के तौर पर वापसी करेंगे।

केएल राहुल मध्यक्रम में सूर्यकुमार यादव (अगली श्रृंखला के लिये आराम दिये जाने पर) का स्थान ले सकते हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की तुलना में वनडे में ऋषभ पंत का स्ट्राइक रेट और औसत काफी बेहतर है लेकिन इस श्रृंखला के उप कप्तान को और अधिक निरंतर रहने की जरूरत है ताकि विकेटकीपिंग के लिये संजू सैमसन और ईशान किशन से आगे रह सकें जो निश्चित रूप से उनके करीब हैं। ईडन पार्क की पिच पर भारतीय तेज गेंदबाजों ने काफी कम गेंदबाजी की है। उन्हें टॉम लैथम और केन विलियमसन से मुकाबला करने के लिये तरीका ढूंढने की जरूरत है। ये दोनों खिलाड़ी इस प्रारूप में भारत के खिलाफ काफी निरंतर रहे हैं। उमरान मलिक 145 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने में प्रभावी रहे, अर्शदीप सिंह स्विंग हासिल करने की काबिलियत के बावजूद जूझते दिखे और शारदुल ठाकुर भी अच्छा नहीं कर पाये।

कार्तिक आर्यन ने फेडी का नया पोस्टर किया शेयर

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन ने अपनी अपकमिंग थ्रिलर फिल्म फ्रेडी का एक पोस्टर जारी किया। इस पोस्टर से फिल्म में एक्ट्रेस अलाया फर्नीचरवाला का फर्स्ट पहला लुक सामने आया है। अलाया ने फिल्म में कैनाज का किरदार निभाया है। फिल्म में पोस्टर को शेयर करते हुए एक्टर ने कैप्शन में लिखा, मिलिए फ्रेडी के जुनून कैनाज से पोस्टर एक पहेली की संकेत करता है।

पोस्टर में कार्तिक आर्यन काफी गंभीर लग रहे है। वहीं अलाया डरी-सहमी दिख रही है। कार्तिक ने एक्ट्रेस के गले पर दांतो के डॉक्टर का एक टूल रखा है और उनके दस्तानों पर खून लगा हुआ है। फिल्म के टीजर ने पहले ही दर्शकों की उत्सुकता को बढ़ा दिया है।पोस्टर देखने के बाद अब सवाल उठाता है कि प्यार, शादी, विश्वासघात.. आखिर कैनाज की कहानी कहां तक ले जाएगी। यह फिल्म 2 दिसंबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

लॉस्ट में भूमिका निभाने के दौरान लेस इज मोर के सिद्धांत का पालन किया: यामी गौतम

अभिनेत्री यामी गौतम ने कहा है कि हिंदी फिल्म लॉस्ट में मुख्य भूमिका निभाने के दौरान उन्होंने लेस इज मोर के सिद्धांत का पालन किया, जो उनके अनुसार बहुत चुनौतीपूर्ण था। यह बयान अभिनेत्री ने बुधवार को गोवा में चल रहे इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में टेबल टॉक कार्यक्रम में दिया।

फिल्म में नायिका की भूमिका निभाने का अपना अनुभव बताते हुए यामी ने कहा कि जब ऐसा किरदार आपके सामने आता है तो उसे निभाना बहुत चुनौतीपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा, कभी-कभी हमें लगता है कि लेस इज मोर के सिद्धांत का मैंने पालन किया। मैंने वास्तव में फिल्म में चरित्र को चित्रित करने की कोशिश नहीं की।

मैं चरित्र के अंदर ही थी, जैसा वह है।सच्ची घटनाओं से प्रेरित, लॉस्ट एक युवा महिला क्राइम रिपोर्टर की कहानी है जो एक युवा थिएटर कलाकार के अचानक गायब होने के पीछे की सच्चाई की अथक खोज में है। इस फिल्म को आईएफएफआई में दिखाया गया। उन्होंने कहा कि, यह स्टूडियो आधारित फिल्म नहीं है, यह वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित कहानी है।

आपको कहानी में कूदना है, चरित्र के हर बिट को महसूस करना है, जो हमारे आत्म-अनुभव और हमारे आसपास की दुनिया के साथ प्रतिध्वनित होता है।निर्देशक अनिरुद्ध रॉय चौधरी

ने कहा कि लॉस्ट फिल्म व्यावहारिक रूप से मीडिया की अखंडता के मुद्दे पर प्रकाश डालती है। यामी के चरित्र के बारे में अधिक जानकारी देते हुए, अनिरुद्ध रॉय ने कहा कि यह एक बहुत ही गहन आंतरिक संघर्ष है जिससे चरित्र गुजरता है।

उन्होंने कहा, कुछ भूमिकाओं में, बहुत सारे संवाद और तत्व हैं जिन्हें आपको करने की आवश्यकता है, लेकिन यह सिर्फ एक चरित्र नहीं है, यह दृढ़ विश्वास और प्रतिबद्धता है।

हेरा फेरी 3 में नजर आएंगे कार्तिक आर्यन,परेश रावल ने की पुष्टि

कॉमेडी फिल्मों की जब भी बात होती है, तो हेरा फेरी फ्रेंचाइजी की फिल्मों का नाम जरूर लिया जाता है। हेरा फेरी 3 के प्रोजेक्ट को लेकर खबरें आती रहती हैं। अब अभिनेता परेश रावल ने बताया है कि कार्तिक आर्यन की हेरा फेरी 3 में एंट्री हो गई है। सोशल मीडिया पर एक फैन के सवाल का जवाब देते हुए परेश ने कार्तिक के फिल्म में होने की पुष्टि की है।

एक सोशल मीडिया यूजर ने परेश को टैग करते हुए पूछा, परेश रावल सर, क्या यह सही है कार्तिक आर्यन हेरा फेरी 3 कर रहे हैं? इसका जवाब देते हुए परेश ने अपने ट्वीट में लिखा, हां, यह सच है। परेश की इस प्रतिक्रिया के बाद सोशल मीडिया पर कमेंट्स की बाढ़ आ गई। कई लोग फिल्म के अन्य स्टारकास्ट के बारे में उनसे पूछते हुए दिखे। फैंस फिल्म में अक्षय की मौजूदगी को लेकर भी सवाल पूछ रहे हैं।

हालिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि कार्तिक को फिल्म में अक्षय कुमार की जगह चुना गया है। परेश और सुनील शेट्टी अपने किरदारों को आगे बढ़ाते हुए दिख सकते हैं। हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है कि अक्षय इस फिल्म का हिस्सा बनेंगे या नहीं। बता दें कि कार्तिक ने भूल भुलैया 2 में अक्षय को रिप्लेस किया था। इस फिल्म को सिनेमाघरों में शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। फिरोज नाडियाडवाला हेरा फेरी 3 को प्रोड्यूस करने वाले हैं।

अब डेपुटेशन नामंजूर,आवेदन सीएम सचिवालय से लौटने लगे

» प्रतिनियुक्ति से लौटने या फिर 2024 के बाद ही सेन्ट्रल डेपुटेशन होगा स्वीकृत

» आईएएस अख्या तम्बोली की फाइल बैरंग लौटी

» प्रदेश में वरिष्ठ आईएएस का टोटा

रायपुर,26 नवम्बर 2022(ए)। राज्य सचिवालय में अफसरों की कमी को देखते हुए फ़िलहाल सेन्ट्रल डेपुटेशन चाहने वाले छत्तीसगढ़ के आईएएस अफसरों को निराशा हाथ लगेगी। सीएम सचिवालय से प्रतिनियुक्ति की फ़िलें बैरंग लौटाई जा रही है। इसी तारतम्य में सीनियर आईएएस अय्याज़ फकीर तंबोली का आवेदन लौटा दिया गया है।

इससे साफ है कि फिलहाल किसी नए अफसर को डेपुटेशन में भेजने का शासन का कोई मूड नहीं है। यह हालात साल 2024 तक रहेगी।आईईएएस अफसर प्रतिनियुक्ति पर नहीं जा पाएंगे। सीएम बघेल केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए भेजे गए सभी आवेदनों को लौटा रहे हैं। इसलिए जब तक दिल्ली से अफसरों के लौटने का सिलसिला शुरू नहीं होगा, तब तक किसी नए अफसर को अनुमति देने में सरकार सख्ती कर सकती है।

बता दे कि राज्य प्रशासन में 193 अफसरों के आईएएस कैडर में से 171 कार्यरत हैं। इनमें से 19 केंद्रीय और इंटरकाउर डेपुटेशन पर चले गए हैं। इनमें से अधिकांश को कांग्रेस सरकार ने ही बीते 4 वर्षों में अनुमति दी है। वहीं एक की मृत्यु, 1 निलंबित और 8 रिटायर हुए है।

इस वजह से सचिवालय महानही भवन में प्रमुख सचिव जैसे वरिष्ठ अफसरों की कमी हो गयी है। महानदी भवन में केवल एक ही

प्रमुख सचिव(पिंगुवा) कार्यरत हैं और दो एसीएस है। इसे देखते हुए राज्य शासन ने डीओपीटी से प्रमुख सचिव की पदोन्नति के लिए अनुमति मांगी है। इसमें एक प्रमुख सचिव(शहला निगार) और 3-4 सचिव मिल जाएंगे।सीएम बघेल ने किसी भी आईएएस को केंद्रीय प्रति नियुक्ति की अनुमति फ़िलहाल न देने की मंशा जताई है। उन्होंने वर्ष 2009 बैच के अयाज फकीर तंबोली का आवेदन लौटा दिया है। अब राज्य के अफसरों का 2024 में ही दिल्ली जाना संभव हो पायेगा या फिर जब तक दिल्ली गए 2-3 अफसर प्रतिनियुक्ति से लौट न आएं लौट आएंगे।

प्रतिनियुक्ति पर ये आईएएस

अमित अग्रवाल (1993) ऋचा शर्मा (1994) निधि छिब्बर (1994)विकास शील (1994)डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी (1995) गौरव द्विवेदी (1995) सुबोध सिंह (1997) निहारिका बारिक (1997) सोनमणि बोरा (1999) डॉ. रोहित यादव (2002) ऋतु सेन (2003) अविनाश चंपावत (2003) संगीता पी. (2004) अमित कटारिया (2004) मुकेश बंसल (2005) रजत कुमार (2005) श्रुति सिंह (2006) एलेक्स पॉल मेनन (2006) केसी देवसेनापति (2007) बसव राजू एस. (2007) नीरज कुमार बंसोड़ (2008) शिव अनंत तायल (2012)

बच गए ये अधिकारी

आईएएस निहारिका बारिक छुट्टे टी पर हैं। आईएएस शहला निगार छुट्टी पर हैं और आर.संगीता चाइल्ड केयर लीव पर चली गई हैं। छत्तीसगढ़ में चीफ सेक्रेटरी अमिताभ जैन के बाद रेणु पिल्लै और सुब्रत साहू दो एसीएस हैं, फिर प्रमुख सचिव के रूप मनोज पिंगुआ ही बच जाते हैं। एक और प्रमुख सचिव मिलने के बाद जिम्मेदारियां बांटी जाएंगी। वहीं एक आईएएस का दुखद निधन हो चूका है, 1 आईएएस निलंबित है और 8 इसी साल सेवानिवृत्त हो चुके है।

एसीआई के डॉक्टरों ने किया कमाल

फट चुकी महाधमनी को तवर प्रोसीजर के जरिए रिपेयर कर दो मरीजों की बचाई जान

रायपुर,26 नवम्बर 2022(ए)। प्रदेश के भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट के कार्डियोलॉजी विभाग के डॉक्टरों ने कमाल कर दिखाया है। उन्होंने महाधमनी विच्छेदन की गंभीर स्थिति में आए 60 वर्षीय मरीज को ट्रांस क्यूटेनियस एओर्टिक रिपेयर प्रोसीजर के जरिए नया जीवन दिया है।

एसीआई के कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉक्टर स्मित श्रीवास्तव के नेतृत्व में जूनियर रेजिडेंट अनन्या दीवान एवं डॉ. गुरकीरत अरोरा ने आधी रात को गंभीर स्थिति में आए धमतरी के एक मरीज को न केवल सतत निगरानी और उपचार के ज़रिए ठीक किया। साथ ही ऐसे ही एक 55 वर्षीय अन्य मरीज की महाधमनी विच्छेदन के केस में जीवन को सुरक्षित बचा लिया।

एसीआई के रेसिडेंट डॉ. अनन्या दीवान के अनुसार पेशेंट हमारे पास चार-पांच दिन पहले एक निजी अस्पताल से रिफर होकर आया था। निजी अस्पताल में उसकी स्थिति बिगड़ गई थी, पेशाब जाना बंद हो गया था, ब्लड प्रेशर 200/140 हो गया। उसी स्थिति पर उन्होंने मरीज को कह दिया कि हम अब कुछ नहीं कर सकते आप मरीज को अंबेडकर अस्पताल ले जाइए।

निजी अस्पताल में मरीज को ऑपरेट करने के लिए प्लान कर लिए थे इसीलिए जब वह अंबेडकर अस्पताल पहुंचा तब उसके सारे इन्वेस्टिगेशन हो चुके थे। पेशेंट का एऑर्टा (महाधमनी) हार्ट के निकलने से कुछ दूर पहले ही फट गया था। उसके अंदर का एक फ्लैप फटकर बायीं जांघ के अंदर चला गया था। फ्लैप जब फटता है तो उसके अंदर का एक ल्यूमेन (नलिकामय संरचना के अंदर की जगह जिसमें से क्रमशः रक्त और भोजन का प्रवाह होता) रहता है। परंतु उसके फटने के बाद बाहर की दीवार की ओर दूसरा ल्यूमेन बन जाता है जहां फट गया है वहां ब्लड भरता है और वह ब्लड ट्रू ल्यूमेन यानी वास्तविक ल्यूमेन को बंद कर देता है।

वास्तविक ल्यूमेन से ही किडनी की नसों, आंतों की नसों और पैरों की नसों तक रक्त का प्रवाह होता है और

बंद होने से ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। इस मरीज का ब्लड प्रेशर 200/150 पर पहुंच गया था। किडनी ने यूरिन बनाना बंद कर दिया था। पेशेंट 20 नवंबर की रात को अंबेडकर अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में पहुंचा वहां पर एसीआई के रेसिडेंट उसके बाद दोनों रेसिडेंट डॉक्टर ने ब्लड प्रेशर डाउन करने की दवा शुरू की।

धीरे-धीरे ब्लड प्रेशर को नीचे लाया क्योंकि बढ़े हुए ब्लड प्रेशर के कारण नस का फटना और बढ़ जाता है। 200 के प्रेशर में नस का जो फ्लैप उखड़ा है उसको धीरे- धीरे प्रेशर ही फाड़ते जाता। उसके बाद दोनों डॉक्टर ने खूब मेहनत करके मरीज के ब्लड प्रेशर को कंट्रोल किया। दवाइयों की मदद से ब्लड प्रेशर 130/80 के करीब ला कर रखा । उसके बाद मरीज का यूरिन आने लगा।

मरीज की हालत को स्थिर करने के बाद आयुष्मान योजना के स्टेट नोडल ऑफिसर डॉ. श्रीकांत राजिमवाले की सहायता से इमरजेंसी में मरीज के इलाज के लिए लगभग 5 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत हुई।

महाधमनी विच्छेदन को इलाज के ज़रिए ठीक करने के दो तरीके होते हैं। पहला छाती को गले से लेकर जांघ तक खोलकर एऑर्टा को रिपेयर करना। वहां पर नया एऑर्टा लगाकर ग्राफ्ट लगाकर नया पाइप लगाना। दूसरा उपाय रहता है की पैर में जहां पर नस फटी है उस पैर में दूसरे पैर से एक तार डालकर एक कपड़े लगा हुआ स्टंट, जिसको कवर्ड स्टंट कहते हैं, उस कवर्ड स्टेंट से जो छेद है जहां पर रिसाव हुआ है और दीवार फटी है उसको प्लास्टर कर दें और उसे स्टंट से ब्लड सप्लाई चालू हो जाये। हमने इसी विधि से प्रोसीजर करने का निर्णय लिया।

मरीज के परिजनों ने भी इसी विधि से उपचार कराने के लिए सहमति दे दी। हमने मरीज को टेबल पर लिया। संयोगवश उसी दिन एक और महिला मरीज आ गयी लेकिन इस मरीज की छाती की एऑर्टा फटी थी। दोनों पेशेंट की फटी हुई महाधमनी को कवर स्टेंट से रिपेयर किया । इस विधि को तेवार कहते हैं।

ऐसे हुआ प्रोसीजर

पैर की नस से एक पाइप डाला, कैथेटर डाला और उस कैथेटर के द्वारा स्टंट को उस जगह तक पहुंचाया जहां पर एऑर्टा फटी हुई थी। स्टंट को वहां पर फुलाया और स्टंट को छोड़ दिया तो जो फटी हुई दीवार थी वह स्टंट से दब गई और ब्लड का रिसाव बंद हो गया। पेशेंट का ब्लड प्रेशर टेबल पर ही नॉर्मल होना चालू हो गया। पेशेंट आज ठीक हो गए ।दोनों ने चलना प्रारंभ कर दिया । कल दोनों की अस्पताल से छुट्टी हो जाएगी।

उपचार प्रक्रिया में आने वाली चुनौती डॉ. स्मित श्रीवास्तव आगे बताते हैं इस पूरी प्रक्रिया की सफलता का श्रेय दोनों रेजिडेंट डॉक्टर को जाता है जिनकी मदद से मरीज को स्टेबल किया। यदि मरीज स्टेबल नहीं होता तो प्रोसीजर नहीं कर पाते। ल्यूमेन को खोलना अपने आप में चुनौती भरा रहा। आपको चिन्हित करना रहता है कि मेन ल्यूमेन कौन सा है।

टीम में ये रहे शामिल

डॉ. स्मित श्रीवास्तव, डॉ. योगेश विशनदासानी के साथ एसीआई के रेसिडेंट डॉ. अनन्या दीवान, डॉ. गुरकीरत अरोरा, एनेस्थेटिस्ट डॉ.अमृता, सिस्टर इन चार्ज नीलिमा शर्मा, टेक्नीशियन आई. पी. वर्मा एवं खेम सिंह शामिल रहे।

अनुसूईया उइके बोलीं- मेरे कहने पर विशेष सत्र

आरक्षण विधेयक के समर्थन में राज्यपाल, भाजपा नेता उठा रहे थे सवाल सुश्री अनुसूईया उइके बोलीं विशेष सत्र पर पूरा सहयोग रहेगा

रायपुर,26 नवम्बर 2022(ए)। विधानसभा के विशेष सत्र को लेकर भाजपा कई सवाल उठा रही है। इस बीच राज्यपाल अनुसूईया उइके इसके समर्थन में आ गई हैं। महालेखाकार के एक कार्यक्रम में पहुंची राज्यपाल अनुसूईया उइके ने कहा, मैंने पहले भी मुख्यमंत्री को इस बारे में चिट्ठी लिखी थी। उसमें बताया था कि यह बहुत ही गंभीर विषय है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि विधानसभा के विशेष सत्र के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री को चिट्ठी लिखी थी। ऐसे में सरकार को मेरा पूरा सहयोग रहेगा। प्रदेश में सभी सामाजिक और राजनीतिक संगठनों की ओर से इसकी मांग उठाई जा रही है कि जो आरक्षण 58त्न से कम किया गया है उसको यथावत रखा जाए। मैंने भी कहा कि जो भी हाईकोर्ट में हुआ है उसके लिए कोई न कोई कदम सरकार को उठाना चाहिए। या तो अध्यादेश लेकर आये अथवा विधानसभा में सत्र बुलाकर या जो भी उनके द्वारा उचित है वह जल्दी से जल्दी समाधान होना चाहिए।उसी दिशा में सरकार के द्वारा यह कदम भी उठाया गया है।

राज्यपाल अनुसूईया उइके ने कहा, मैंने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में ही कहा था कि इसमें मेरा पूरा सहयोग रहेगा। जब मैं ही मांग कर रही हूं कि विशेष सत्र बुलाएं और उसमें सारी चीजें आती है जो सबके हित के लिए है तो मैं क्यों मना करुंगी। मैं तो हमेशा छत्तीसगढ़ के कल्याण के लिए सोचती हूं। मेरे मन में कभी ऐसी भावना नहीं रही। पद मेरा संविधानिक है, संविधानिक दृष्टि से ही मैं काम करती हूं और कदम उठाती हूं।

विधानसभा में आरक्षण की नई व्यवस्था आएगी

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई कैबिनेट की बैठक में आरक्षण का प्रावधान करने वाले दोनों अधिनियमों में संशोधन विधेयक का प्रारूप मंजूर किया गया। इसमें आरक्षण का नया अनुपात तय हुआ है। सरकार अब आदिवासी वर्ग-एसटी को उनकी जनसंख्या के अनुपात में 32प्रतिशत आरक्षण देगी, अनुसूचित जाति-एससी को 13प्रतिशत और सबसे बड़े जातीय समूह अन्य पिछड़ा वर्ग-ओबीसी को 27प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। सामान्य वर्ग के गरीबों को 4प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।

बीजेपी ने ऐसे कैसा था तंज

पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कहा, पांच दिसम्बर को भानुप्रतापपुर में वोटिंग है इसलिए एक-दो दिसम्बर को यह विशेष सत्र हो रहा है। कांग्रेस आरक्षण पर कंफ्यूज है। यदि आरक्षण के लिए बुलाए ये पूरी तरह से चर्चा हो। चंद्राकर का कहना था, मनोज मंडावी का निधन नहीं होता तो यह सत्र नहीं होता। भाजपा के प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप ने पूछा था कि ङ्क क्या विधानसभा के विशेष सत्र के तुरंत बाद आदिवासियों को नौकरी मिलने लगेगी? क्या मेडिकल शिक्षा एमबीबीएस में इस वर्ष जनजाति वर्ग के 104 बच्चों का जो नुकसान हो रहा था, उन बच्चों को मेडिकल कॉलेज में प्रवेश दिलाया जायेगा?

रमन सिंह हुए भर्ती

रायपुर,26 नवम्बर 2022(ए)। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह की तबीयत ठीक नहीं चल रही है। शुक्रवार देर रात अचानक असहज महसूस करने के कारण डॉ.रमन को रायपुर के एक प्राइवेट अस्पताल लाया गया। डॉ. रमन की हालत फिलहाल ठीक बताई जा रही है।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रमन सिंह को घबराहट और सांस लेने में तकलीफ महसूस हुई थी। अस्पताल में डॉक्टर्स की निगरानी में शनिवार दोपहर तक डॉ. रमन सिंह को रखा गया। अब उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है। रूटीन चेकअप करने के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है।

आदिवासी आरक्षण रोस्टर विवादःमेडिकल दाखिले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर,मंगलवार को होगी सुनवाई

रायपुर,26 नवम्बर 2022(ए)। छत्तीसगढ़ में आदिवासी आरक्षण संबंधी विवाद को लेकर सुप्रीम कोर्ट में मामले चल रहा है। इस बीच मेडिकल दाखिले में आरक्षण को लेकर एक छात्रा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। इसमें मेडिकल प्रवेश के लिए 9 अक्टूबर और 1 नवम्बर को जारी आरक्षण रोस्टर को रद्द करने की मांग की गई है। इस मामले में मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच में मंगलवार को सुनवाई होगी।

हाईकोर्ट का फैसला आरक्षण रोस्टर पर प्रभावी नहीं?

मेडिकल काउंसलिंग में शामिल अनुप्रिया बरवा नाम की छात्रा की ओर से अधिवक्ता सी. जार्ज थामस ने याचिका दायर की है। इसमें कहा गया है कि मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए पहले से मेडिकल यूजी नियम 2018 और मेडिकल पीजी नियम 2021 बने हुए हैं। इसकी कंडिका 5 और 6 में अनुसूचित जाति को 12त्न, अनुसूचित जनजाति को 32त्न और अन्य पिछड़ा वर्ग को 14त्न आरक्षण का प्रावधान है। उच्च न्यायालय में इस रोस्टर को कभी चुनौती नहीं दी गई। इसलिए 19 सितम्बर को आरक्षण कानून पर आया हाईकोर्ट का फैसला उस पर प्रभावी नहीं है।

नए रोस्टर के चलते प्रवेश से वंचित

याचिका में यह भी कहा गया है कि, हाईकोर्ट के फैसले के बाद सरकार ने कहीं भी आरक्षण नियम प्रकाशित नहीं किया है। चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने 9 अक्टूबर को मेडिकल की पीजी कक्षाओं में प्रवेश के लिए और 1 नवम्बर को यूजी में प्रवेश के लिए अनुसूचित जाति के लिए 16त्न, अनुसूचित जनजाति के लिए 20त्न और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 14त्न आरक्षण का रोस्टर जारी कर काउंसलिंग शुरू कर दिया। 32त्न आरक्षण के हिसाब से अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को सरकारी मेडिकल कॉलेजों की 923 सीटों में से 284 सीटें मिलनी थी। नए रोस्टर से इस वर्ग को केवल 180 सीट मिल रही है। अनुप्रिया बरवा 185वें स्थान पर हैं, यानी मेडिकल प्रवेश नियम के मुताबिक उनका दाखिला तय था, लेकिन डीएमई के नए रोस्टर से उसका दाखिला नहीं हो पा रहा है।

अब अगली सुनवाई का इंतजार

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि, इस तरह की याचिकाएं हाईकोर्ट में भी लगी हुई हैं। इसमें 1 नवम्बर, 10 नवम्बर, 15 नवम्बर, 16 नवम्बर और 24 नवम्बर को इस मामले में सुनवाई हो चुकी है। कोई नोटिस जारी नहीं हुआ है। अनुप्रिया बरवा ने इंटरवेंशन अप्लिकेशन दायर की है। वह पेंडिंग है। 15 नवम्बर से कॉलेजों में पढ़ाई शुरू हो चुकी है। ऐसे में इसको सुनना जरूरी है। इस मामले में बीके मनीष ने एक मिसलेनियम अप्लिकेशन दायर की थी। याचिका पर सुनवाई के लिए मंगलवार की तारीख तय हो जाने के बाद यह आवेदन वापस ले लिया गया।

पोमरा मुठभेड़ में मारे गये 4 नक्सलियों के शव बरामद

बीजापुर ,26 नवम्बर 2022(ए)। जिले के थाना मिरतुर क्षेत्रांतर्गत डीआरजी, एसटीएफ एवं सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी नक्सलियों के डीव्हीसीएम मोहन कड़ती, डीव्हीसी सुमित्र, मटवाड़ा एलओएस रमेश एवं अन्य 40 से अधिक नक्सलियों की ग्राम पोमरा और हल्लूर में मैजूदगी की सूचना पर शुक्रवार 25 नवम्बर की रात में अभियान पर रवाना हुए थे। अभियान के दौरान 26 नवंबर को प्रातः लगभग 07:30 से 07: 45 बजे के मध्य पोमरा के जंगल में थाना मिरतुर से 14 किमी. पश्चिम दिशा में नक्सलियों में मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में जवानों ने 04 नक्सलियों को मार गिराया है, जिसमें 03 पुरूष एवं 01 महिला नक्सलियों का शव बरामद हुआ है, जिसकी शिनाख्त की जा रही है। इसके साथ ही 303 रायफल, 315 रायफल और मस्कट व अन्य नक्सल सामग्री बरामद किया गया है। मारे गए माओवादियों की अब तक शिनाख्त नही हो पाई है।

बीजापुर एसपी आंजनेय वार्ष्णेय ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि पोमरा के जंगलों में हुई मुठभेड़ में 01 महिला एवं 03 पुरूष नक्सली सहित 04 नक्सली ढेर हुए हैं, नक्सलियों के शव बरामद किए जा चुके हैं।

सब कुछ लूट लेंगे,झूठ बोल रहे हैं सीएम

रायपुर ,26 नवम्बर 2022(ए)। नेता प्रतिपक्ष नस्रायण चंदेल ने राज्य सरकार और मुख्यमंत्री पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने ने कांग्रेस सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा है कि कांग्रेस ने खुद साबित किया कि वह झूठे हैं। पहले बकाया 55 हजार करोड बताया अब 7 हजार करोड़ बता रहे हैं। भूपेश सरकार द्वारा वित्त मंत्री से रुपयों की मांग करने पर प्रतिक्रिया देते हुए नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कांग्रेस ने स्वयं ही साबित कर दिया कि वह झूठे हैं लगातार कांग्रेस यह कहती रही कि केंद्र उनके 55 हजार करोड़ नहीं दे रहा है लेकिन अब वह बकाया 7 हजार करोड़ पहुंच गया यानी कि 48 हजार करोड रुपए का झूठा बकाया राज्य ने जनता के सामने रखा था इसके लिए कांग्रेस को तुरंत माफी मांगनी चाहिए।

राज्य ने पेंशन के लिए 17,240 करोड की मांग की है उसे बकाया नहीं बताया जा सकता। कर्मचारियों के हितों में घड़ियाली आंसू बहाने वाली कांग्रेस सरकार पहले कर्मचारियों का डीए बढ़ाएं।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा राज्य की भूपेश सरकार चार साल से केंद्र पर केवल

आरोप लगा रही है लेकिन उसके बावजूद केंद्र सरकार ने 4 वर्षों में भूपेश सरकार को लगभग एक लाख 50 हजार करोड़ रु दिए हैं जो धान की खरीदी राज्य करता है अगर केंद्र चावल न खरीदे तो यह संभव ही नहीं। राज्य ने जितना धान एजेंसी के रूप में खरीदा उससे बना पूरा चावल केंद्र ने खरीदा है जिसकी राशि चार वर्षों की 65 हजार करोड़ की है राज्य ने स्वयं महज 4 वर्षों में 60 हजार करोड़ का भारी कर्ज लिया है राज्य की जनता ने भी राज्य को अलग से टैक्स व अन्य माध्यमों से लगभग 1 लाख 50 हजार करोड़ की राशि दी है आखिर इतना पैसा गया कहा?क्या सब दिल्ली भेज दिया गया ? जनता को तो कुछ नही मिला।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा सरकार को कर्मचारियों की चिंता है तो पहले उनका महगाई भत्ता बढ़ाए एवं जो नियोक्ता का अंशदान होता है वह देना शुरु करें और इस बात का उत्तर दे कि जैसे उसने लाखों-करोड़ों रूपए की लूट कर दी है क्या कर्मचारियों के हक का पैसा जो उन्हें भविष्य में मिलने वाला है उसे भी लूटने का इरादा रखती है क्योंकि ये पैसा उसे कर्मचारियों को अभी नहीं देना है तो क्या कांग्रेस पैसा लेकर , फिर से चुनाव में खर्चा करना चाहती है या दिल्ली में अपने आकाओं को भेजना चाहती है कर्मचारियों के हक का पैसा केंद्र सरकार के पास सुरक्षित है और उन्हें ही मिलेगा कांग्रेस उसे लूट नहीं सकती।

राहुल के साथ चलने प्रदेश नेताओं में जोश

रायपुर ,26 नवम्बर 2022(ए)। छत्तीसगढ़ के मंत्री, विधायकों समेत 334 कांग्रेस नेता भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए हैं। छत्तीसगढ़ के कांग्रेसी नेता भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने मध्यप्रदेश गए हैं। शुक्रवार को रायपुर एयरपोर्ट पर टीएस सिंहदेव, मंत्री शिव डहरिया, विधायक सत्यनारायण शर्मा रवाना हुए। कांग्रेस के नेता प्रदेश की मिट्टी, 7 नदियों का जल लेकर गए हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि- प्रदेश के नेता राहुल गांधी के साथ 26 और 27 को मध्यप्रदेश में पदयात्रा में शामिल हो रहे हैं। राहुल की भारत जोड़ो यात्रा में उनके साथ चलने और इसका हिस्सा बनने के लिए होड़ मची थी। छत्तीसगढ़ से पहुंचे दिग्गज नेता, मंत्री, विधायक और संगठन पदाधिकारियों का वीडियो भी उनका जोश उजागर कर रहा है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दोपहर बाद दिल्ली से इंदौर के लिए रवाना हुए। तीन बजे तक खरगोन जिले के उमरिया चौकी पहुंचे है। यहां से वे भारत जोड़ो पदयात्रा में शामिल हुए। यह पदयात्रा शाम के करीब 7 बजे इंदौर जिले के महू पहुंचेगी। जहां डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जन्मस्थल पर वे राहुल गांधी के साथ श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। इसके बाद में एक जनसभा को भी संबोधित किया जाना है।

उसके बाद मुख्यमंत्री इंदौर हवाई अड्डे से पहुंचेंगे। जहां उन्हें गुजरात के भावनगर के लिए उड़ान भरनी है। बता दें कि छत्तीसगढ़ से इस यात्रा में मरमुख रूप से चरण दास महंत, टीएस सिंहदेव, शिव डहरिया, अमरजीत भगत, गुरु रुद्र कुमार, सत्यनारायण शर्मा और प्रभारी महामंत्री प्रदेश कांग्रेस कमेटी अमरजीत चावला व अरुण वोरा भी शामिल हुए।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)